



श्रीमद्-आद्यशङ्करभगवत्पाद-परम्परागत-मूलान्नाय-  
सर्वज्ञपीठ-श्री-काशी-कामकोटि-पीठं  
जगद्गुरु-शङ्कराचार्यस्वामि-श्रीमठसंस्थानम्

## श्रीमत्-शङ्कर-भगवत्पाद-सहस्रनामावलिः

1. श्रीगुरवे नमः
2. शुद्धहृदयाय नमः
3. श्रेयसे नमः
4. शान्ताय नमः
5. दयानिधये नमः
6. दान्ताय नमः
7. तितिक्षवे नमः
8. चन्द्राभाय नमः
9. न्यस्तकर्मणे नमः
10. समहिताय नमः
11. चटुलाय नमः
12. यतचित्ताय नमः
13. श्रद्धधानाय नमः

14. चिरन्तनाय नमः
15. चापलाय नमः
16. चतुरास्येड्याय नमः
17. चरितव्रतकोविदाय नमः
18. चतुराय नमः
19. श्रुतिमौलिस्त्राय नमः
20. शिवाय नमः
21. शुद्धप्रबोधकाय नमः
22. वशिने नमः
23. विश्वेश्वराय नमः
24. मुख्याय नमः
25. अमूल्याय नमः
26. मूलकृते नमः
27. मथिने नमः
28. मूर्धाभिषिक्त्राय नमः
29. सर्वेशाय नमः
30. महादेवाय नमः
31. मदामदाय नमः
32. भवाय नमः
33. रुद्राय नमः
34. हराय नमः
35. मुक्ताय नमः
36. शर्वाय नमः
37. ईशानाय नमः
38. ईश्वराय नमः

39. महेशाय नमः
40. स्वस्तिकृते नमः
41. सुहाय नमः
42. स्थिराय नमः
43. स्वागवे नमः
44. सुरार्चिताय नमः
45. शाश्वताय नमः
46. सौम्यवदनाय नमः
47. सिद्धयोगिनिषेविताय नमः
48. सोमाय नमः
49. सुधास्वच्छतनवे नमः
50. श्रीमते नमः
51. प्रेयसे नमः
52. जगत्पतये नमः
53. श्रीकृष्णाय नमः
54. श्रितवात्सल्याय नमः
55. शान्तवाय नमः
56. शङ्कराभिधाय नमः
57. वीराय नमः
58. शुभविहारिणे नमः
59. शुद्धरन्मैक्यमूर्तिमते नमः
60. अखिलाय नमः
61. अखिलखग्लम्याय नमः
62. भूतात्मने नमः
63. भूतकृते नमः

64. बिभवे नमः
65. आङ्गाकृते नमः
66. अमरोदयोगिने नमः
67. कलिभीतसुरार्थिताय नमः
68. गुहादेशिने नमः
69. गुहागेहिने नमः
70. विष्णुर्म्मनिदेशकृते नमः
71. गुह्याय नमः
72. गुहाशयाय नमः
73. गूढाय नमः
74. भूरिदाय नमः
75. भूतिकृते नमः
76. ऋधाय नमः
77. भूभृत्स्थाय नमः
78. भूतिभूते नमः
79. भूभुजे नमः
80. भूतेशाय नमः
81. भूतभावनाय नमः
82. भद्राय नमः
83. भव्याय नमः
84. भवभिषजे नमः
85. भक्तपूज्याय नमः
86. पिनाकभूते नमः
87. मङ्गलाश्रमे नमः
88. मधुरवाचे नमः

89. स्मिताय नमः
90. मान्याय नमः
91. मधवे नमः
92. मुनये नमः
93. महातेजसे नमः
94. महितवाचे नमः
95. अलङ्काराय नमः
96. अमलाय नमः
97. अनघाय नमः
98. बालाय नमः
99. अबलैषणामुक्ताय नमः
100. आर्यभूवे नमः
101. आर्यसंश्रयाय नमः
102. शीलिने नमः
103. शिवगुरुप्रेष्ठाय नमः
104. आर्याश्रासुप्रजायै नमः
105. शिवाय नमः
106. परात्पराय नमः
107. त्रयस्त्रिंशत्कोटिदेवसुसन्नुताय नमः
108. उदारधिषे नमः
109. सत्यरूपाय नमः
110. कालटीजननाय नमः
111. अद्वयाय नमः
112. विद्यापतये नमः
113. बटवे नमः

114. वेद्याय नमः
115. चिन्मयाय नमः
116. चूर्णिकाप्रियाय नमः
117. श्रीमात्रार्थितगाईस्थाय नमः
118. श्रेयोधिषे नमः
119. श्रितदेशिकाय नमः
120. श्रीमुखाय नमः
121. श्रीधराय नमः
122. शुष्मिणे नमः
123. शसित्रे नमः
124. शुचये नमः
125. उज्ज्वलाय नमः
126. साधवे नमः
127. स्नेहसे नमः
128. संघिषंसवे नमः
129. सरिदाप्लुतविग्रहाय नमः
130. ग्राहग्रहव्याजलर्धप्रसूसन्याससम्मतये नमः
131. सन्यस्ताय नमः
132. संघमिने नमः
133. प्रैषिणे नमः
134. संसारत्यागतत्पराय नमः
135. अर्चिष्मते नमः
136. आतुगोविन्दाय नमः
137. प्रस्थिताय नमः
138. प्राप्तासदगुरवे नमः

139. आमोदिने नमः
140. निगमान्तङ्गाय नमः
141. एकानन्दरसात्रकाय नमः
142. श्रीरङ्गसूत्रव्याख्यात्रे नमः
143. एकदण्डाय नमः
144. कषायभूते नमः
145. भक्तप्रपञ्चसच्छात्राय नमः
146. गोविन्दभगवत्प्रियाय नमः
147. हरिसरङ्गचारिणे नमः
148. स्पृष्टगौडपदाभूजाय नमः
149. मातङ्गश्रीमहादेवीयोक्तिस्थापितसन्मताय नमः
150. यतितीर्थादिपूर्यन्तसम्प्रदायप्रवर्तकाय नमः
151. बादरायणवाग्वादिने नमः
152. बह्मशिष्यपरीवृताय नमः
153. पद्मपादसनाथाय नमः
154. योगप्राप्तहराचलाय नमः
155. आनीतलिङ्गकुलकाय नमः
156. आनन्दलहरीग्रहाय नमः
157. केदारेशप्रतिष्ठात्रे नमः
158. नेपालवरलिङ्गकृते नमः
159. काश्मीरादिक्लेशवासिने नमः
160. दुर्वादिमत्तखण्डनाय नमः
161. श्रीहस्तिगिरिनाथादिदिव्यक्लेशचराय नमः
162. सुधिये नमः
163. रुद्रभट्टोक्तिरुद्राक्षन्ताय नमः

164. जितमगुनभारतये नमः
165. परकायप्रवेशागुपाङ्गशर्यमहागमाय नमः
166. गुहान्सिंहसंस्तुबलर्धदङ्ककराभुजाय नमः
167. सरस्वतीजयाध्यातयतीश्वरसुरेश्वराय नमः
168. हस्तमलकसेव्याङ्घ्रये नमः
169. तोटकार्यसुसेविताय नमः
170. चित्सुखोदङ्कसच्छात्रवन्दिताङ्घ्रये नमः
171. गुणाभुधये नमः
172. इच्छालङ्घिरीशात्रुने नमः
173. गौरीकान्ताय नमः
174. गुरुभुमाय नमः
175. गुरुराजाय नमः
176. गुणिने नमः
177. गोपे नमः
178. गोपनाय नमः
179. नराकृतये नमः
180. निर्ममाय नमः
181. नरकारातये नमः
182. नम्याय नमः
183. नाथाय नमः
184. निरङ्गनाय नमः
185. निस्स्पृहाय नमः
186. निष्कलाय नमः
187. नित्याय नमः
188. नामरूपविवेकवते नमः



189. नालीकाय नमः
190. निक्षिप्ताय नमः
191. नीरुजे नमः
192. निराशिषे नमः
193. निरामयाय नमः
194. निर्नतये नमः
195. निःस्वधाकाराय नमः
196. निःस्वाहाकृते नमः
197. निरीश्वराय नमः
198. नीरूपकाय नमः
199. निर्गुणाय नमः
200. निष्कर्मणे नमः
201. निर्व्यथाय नमः
202. वशिने नमः
203. निर्लेपाय नमः
204. नित्यपुष्टाय नमः
205. हृष्टाय नमः
206. तुष्टजनाश्रयाय नमः
207. साम्प्रतकारिणे नमः
208. सन्निधानाय नमः
209. सूरये नमः
210. सायङ्महाय नमः
211. यमिने नमः
212. सते नमः
213. सात्वते नमः

214. साङ्घिकाय नमः
215. सभ्याय नमः
216. सर्वमित्राय नमः
217. स्मरान्तकाय नमः
218. सशिष्याय नमः
219. सङ्ग्रहिणे नमः
220. जग्याय नमः
221. बलिने नमः
222. बाग्निने नमः
223. मितोत्क्रिक्ते नमः
224. वाचंयमाय नमः
225. वरिष्ठाय नमः
226. व्याख्यानाख्यायिकापटवे नमः
227. परमाय नमः
228. परिभूवे नमः
229. प्रौढाय नमः
230. प्रान्ताय नमः
231. प्रीताय नमः
232. प्रियंवदाय नमः
233. प्रातर्दिने नमः
234. दह्योगिने नमः
235. प्रह्लाद नमः
236. प्रश्ननिरूपणाय नमः
237. पारङ्गताय नमः
238. पाशमुक्ताय नमः
239. परविदे नमः

240. प्रत्यङ्गीक्षित्रे नमः
241. अधिष्ठानविदे नमः
242. अव्याजाय नमः
243. एकबादिने नमः
244. द्वयासहाय नमः
245. स्वभूवे नमः
246. स्वराजे नमः
247. विराजे नमः
248. मौनिने नमः
249. स्वप्रकाशाय नमः
250. स्वयम्प्रभवे नमः
251. महते नमः
252. अरूपाय नमः
253. अव्यक्ताय नमः
254. परस्मै ज्योतिषे नमः
255. परस्मै पदाय नमः
256. परस्मै धाम्ने नमः
257. परसै कर्थायै नमः
258. परसै शक्त्यै नमः
259. परसै गतै नमः
260. परस्मै ओकसे नमः
261. परस्मै वस्तुने नमः
262. परस्मै रक्ताङ्गे नमः
263. परस्मै पुरो नमः
264. परायणाय नमः
265. परस्मै भावाय नमः

266. प्रशान्तात्माने नमः
267. प्रसादकाय नमः
268. प्रज्ज्ञानघनमूर्तये नमः
269. प्रशान्त्रे नमः
270. प्रत्यगर्थबते नमः
271. विज्ज्ञात्रे नमः
272. विश्वकृते नमः
273. वेधसे नमः
274. वेदवेद्यस्त्वैभवाय नमः
275. सत्यब्रताय नमः
276. सत्यपराय नमः
277. त्रिसत्याय नमः
278. सत्यनायकाय नमः
279. सत्यप्रतिष्ठाय नमः
280. सत्याशिषे नमः
281. सत्यार्थप्रेरकाय नमः
282. समाय नमः
283. ईक्षित्रे नमः
284. सच्चिदानन्दस्वरूपाय नमः
285. सदसत्पराय नमः
286. सत्यरूपाय नमः
287. सत्यसंस्थाय नमः
288. नगेशाय नमः
289. छात्रमानिताय नमः
290. नारदादिनुताय नमः
291. नम्राय नमः

292. नारीनरनबाकृतये नमः
293. व्यासजैमिनिबाग्नादिने नमः
294. शारदाविजयिने नमः
295. शमिने नमः
296. सुरेश्वराचार्यदत्तस्वाश्रमाय नमः
297. सूरिकेसरिणे नमः
298. अक्षितादिब्रातृकृत्यदूरवैदिकवर्त्तकृते नमः
299. कुकुलानलकूटस्त्रकुमारिलकृतानतये नमः
300. कुतर्ककर्कशस्त्राभूतकुलिशाय नमः
301. कविकेसरिणे नमः
302. कुवादिमदमन्त्रेभपञ्चास्याय नमः
303. कलिनाशनाय नमः
304. योगरोगहराय नमः
305. साङ्ख्यसङ्ख्यावते नमः
306. अमितदुतये नमः
307. जितजैनप्रतिष्ठस्तुनोच्छाटनामनवे नमः
308. वैशेषिकविशेषोक्तिविशेषणविचक्षणाय नमः
309. निरस्तद्वैतिमूर्धन्यशैवभागवतागमाय नमः
310. काशीनगरनिर्मातृराजसेननृपार्चिताय नमः
311. वरदालयनिर्मात्रे नमः
312. एकाग्रनाथपदोद्धराय नमः
313. गुहास्तुतिचलाचाण्ड्यखण्डनाय नमः
314. कालखण्डनाय नमः
315. कामकोष्ठधरात्रीडाय नमः
316. कामकोटिपदाश्रयाय नमः

317. कामाङ्गीवरिवस्यार्कते नमः
318. कालहस्तीश्वरार्चनाय नमः
319. कुण्डसोपानसुप्रपशेषाचलशिरःपदाय नमः
320. दिव्याय नमः
321. दीव्यद्भस्मवर्चसे नमः
322. दीनरम्भिणे नमः
323. दरापहाय नमः
324. देवदेवाय नमः
325. दीनबन्धवे नमः
326. दयिताय नमः
327. दीनदैन्यहते नमः
328. दोषदूराय नमः
329. दुष्टरिपवे नमः
330. दुर्वासःश्लाघिताय नमः
331. अदराय नमः
332. द्रविणादेय्येणेत्यागिने नमः
333. दोषञ्ज्वाय नमः
334. दूरदर्शनाय नमः
335. दीर्घदर्शिने नमः
336. दौःस्थ्यदूराय नमः
337. दारिद्र्यदमनाय नमः
338. दयिने नमः
339. दलिताशेषधीदोषाय नमः
340. विस्तृतद्वैतवैभवाय नमः
341. क्षेत्त्राटनक्रमब्राह्मकृतस्मभारतमण्डलाय नमः

342. কৈলাসসেবিনে নমঃ
343. বদরীনারাযণপদাশ্রযায নমঃ
344. কামরূপার্চনায নমঃ
345. অকামায নমঃ
346. কাশ্মীরেশ্বরসেবকায নমঃ
347. অবন্তীদ্বারকাযোধ্যামাযাকাংক্ষীমহীপ্রিয়ায নমঃ
348. কালীঘটহরিদ্বারজম্রুদেবীপ্রয়াগগায নমঃ
349. শ্রীশৈলেশজগন্নাথপুরুষোত্তমভীমগায নমঃ
350. ত্র্যম্বকোজ্জযিনীবিন্ধ্যবাসিনীসেবনাপরায নমঃ
351. সেতুকন্যাকুমারীগায নমঃ
352. জনার্দনজনার্তিস্নেহে নমঃ
353. অনন্তপুরবৈষাঙ্ঘ্রবৃষাচলপদাশ্রযায নমঃ
354. কালটীকলভায নমঃ
355. কল্যায নমঃ
356. সরঃশরঝরীচরায নমঃ
357. কৃতস্মকর্ণাটপাণ্ড্যাক্ষচেরচোলমহীচরায নমঃ
358. শ্রীনীপতিস্বন্যগ্রোধছাযাশ্বেতবনাশ্রযায নমঃ
359. মান্যশ্রীরঙ্গমধুরার্জুনশাযিপুৱাশ্রযায নমঃ
360. অখিলাণ্ডেশ্বরীরত্নতাটকন্যস্তযন্ত্ররাজে নমঃ
361. কাংক্ষীগুহাচ্ছদন্যস্তচক্ররাজপরিস্তরায নমঃ
362. ভূম্যেপ্তেজোনিলাকাশলিঙ্গসেবাধৃতাদরায নমঃ
363. সত্যব্রতস্থলস্থায়িনে নমঃ
364. কামকোটিমঠাস্পদায নমঃ
365. চিদম্বরসভান্যস্তমোক্ষলিঙ্গায নমঃ
366. অলিঙ্গকায নমঃ

367. ऋशश्शृङ्गाश्रमन्यस्तुभोगलिङ्गाय नमः
368. ऋतस्तुरिणे नमः
369. शारदामान्यसन्देशाय नमः
370. सर्वङ्गाय नमः
371. सर्वपापनुदे नमः
372. शारदामठसङ्कुपुशारदापीठपावनाय नमः
373. शारदास्नापनापूतऋशश्शृङ्गगिरिस्तुलाय नमः
374. अशरीरबचोव्यूटकामकोटिमठस्थितये नमः
375. कामकोटिमहापीठमध्यदृश्यमहामणये नमः
376. कालझाय नमः
377. कामदुहे नमः
378. कान्ताय नमः
379. शारदाजैत्रवाङ्मुखाय नमः
380. कामकोटिधरागोष्ठीने नमः
381. कर्मन्दिकुलशेखराय नमः
382. शिष्यसङ्घपरञ्जानब्रततीदोहदप्रदाय नमः
383. मठान्नायमहान्नायसेतुकेरलधर्मकृते नमः
384. पूर्यस्तुतीर्थप्रमुखशिष्यागमविवेचनाय नमः
385. आनन्देन्द्राभिधापूर्वसरस्वत्याङ्ग्यागमाय नमः
386. आनन्दमयजानन्दिबागजयख्यातवाकपदाय नमः
387. योगेश्वरार्चानिरताय नमः
388. योग्याय नमः
389. योगविदां वराय नमः
390. सुस्थिताय नमः
391. सुस्थिराय नमः



392. शिङ्गाय नमः
393. श्वाश्ववे नमः
394. श्वेमे नमः
395. स्थितिप्रदाय नमः
396. सत्यव्रतपदप्राप्तुर्गम्भीरबाय नमः
397. अशरीरवते नमः
398. दुष्टरापारसंसारपारतारणकृत्तुरये नमः
399. कृत्तारिवर्गसंशान्तस्वान्तलङ्घ्यैवैभवाय नमः
400. अनातुराय नमः
401. अतुलिताय नमः
402. सद्वृत्ताय नमः
403. साधुदर्शनाय नमः
404. षडदशनीपारदृशने नमः
405. षडध्वातीतमानसाय नमः
406. अदोषाय नमः
407. दुर्जयाय नमः
408. अदूनाय नमः
409. दुर्धर्षाय नमः
410. अपुनर्भवाय नमः
411. शुद्धाय नमः
412. ऋद्धाय नमः
413. प्रऋद्धात्तने नमः
414. सिद्धाय नमः
415. प्रेद्धाय नमः
416. समुद्धराय नमः

417. समिद्धाय नमः
418. प्रतिभाविद्धाय नमः
419. सारङ्गाय नमः
420. सर्वशास्त्रविदे नमः
421. सुधास्वादुबचसे नमः
422. सूक्ष्ममतये नमः
423. मोहतमोरबये नमः
424. महायशसे नमः
425. महाशीलाय नमः
426. महौजसे नमः
427. महामुनये नमः
428. महनीयाय नमः
429. महासत्त्वाय नमः
430. माननार्हाय नमः
431. महाथविदे नमः
432. मायातत्त्वविदे नमः
433. अव्यग्राय नमः
434. महीमण्डलपञ्जिताय नमः
435. मातृकृत्यासाह्यकर्मशङ्कुकेरलभूसुराय नमः
436. यथाप्रतिश्रवाचीर्णस्मृतमातृप्रतिश्रुतये नमः
437. रवीन्दुदृशे नमः
438. दोर्मन्त्रेखाग्निसन्दीपिताम्बिकाय नमः
439. रसङ्गाय नमः
440. रसितान्नायाय नमः
441. रागद्वेषहराय नमः

442. महते नमः
443. राजयोगिने नमः
444. आप्तकामाय नमः
445. निराशाय नमः
446. मातृवत्सलाय नमः
447. कामतन्त्रकलापुर्थकायान्तरनिवेशनाय नमः
448. काव्यरत्नविनिर्माणलघोदात्तकविप्रथाय नमः
449. माधुर्यधुर्यरुणितये नमः
450. मधुराधीशमानिताय नमः
451. ज्योतिःपुरेशविनुताय नमः
452. पारेजयपुरस्त्रितये नमः
453. विरूपाम्बुसुलासेविने नमः
454. विजयाख्यपुरीचराय नमः
455. विदिशादेशविहृतये नमः
456. विश्वनाथपदप्रियाय नमः
457. पाटलीपुत्रसंस्थानाय नमः
458. विष्णुपादप्रसेवनाय नमः
459. गयावटद्रुमूलस्थाय नमः
460. भद्राचलनिरुत्तधिये नमः
461. वृन्दावनान्तसङ्गारिणे नमः
462. व्यासाचलबिलाश्रयाय नमः
463. ओङ्कारकुण्डविहृतये नमः
464. मल्लिकार्जुनमण्डिये नमः
465. श्रीपङ्कनदपङ्कास्यशिष्येष्णुनिषेविताय नमः
466. अहोबिलगुहारामाय नमः

467. कमलाङ्काय नमः
468. कलानिधये नमः
469. कलिध्वंसिने नमः
470. कामरूपाय नमः
471. कामचाराय नमः
472. कलामयाय नमः
473. परमेष्ठिने नमः
474. वशप्राणाय नमः
475. कामाङ्गीसेवनोत्सुकाय नमः
476. प्राणदाय नमः
477. प्रणयिने नमः
478. पुष्टाय नमः
479. सर्वतन्त्रस्वतन्त्रधिषे नमः
480. स्वतन्त्रात्माने नमः
481. नास्तिकान्तकृते नमः
482. प्रधिषे नमः
483. आसनाध्वविदे नमः
484. दक्षपङ्क्तिकोत्सेधाय नमः
485. दक्षिण्यनिधये नमः
486. अक्षताय नमः
487. दक्षाय नमः
488. दक्षिणदिक्त्रिधाय नमः
489. कालत्रयविदे नमः
490. आस्तिकाय नमः
491. आदेष्टे नमः
492. अपौरुषाय नमः

493. धवस्तुकापालिकमतक्रमाय नमः
494. कामिनीविमुखाय नमः
495. काम्याय नमः
496. कर्मत्यजे नमः
497. कर्मणाय नमः
498. कृतिने नमः
499. कल्याणगुणशीलाय नमः
500. क्रियामुक्ताय नमः
501. कृपाघनाय नमः
502. कीर्तिमते नमः
503. कृतयोगेशपूजात्रातजगज्जनाय नमः
504. धम्मिल्लपुरराज्यश्रीबालार्चननृपार्चिताय नमः
505. वेदान्तभास्कराय नमः
506. ज्ञानचन्द्राय नमः
507. ऐश्वर्यवारिधये नमः
508. नेपालदेशभूपालवृषदेवोपदेशकृते नमः
509. कैलासकूटसङ्क्षुप्तपशुपत्यर्चनाविधये नमः
510. सौगतव्रातनिष्कासपटवे नमः
511. वैराग्यबोधकाय नमः
512. सुधीमणये नमः
513. दिव्यदर्शिने नमः
514. देवदैन्यहृते नमः
515. अन्नमाय नमः
516. प्रसन्नकमलादनुदरिद्रर्माङ्गनीनिधये नमः
517. सम्पुङ्गकुसुमप्रख्यमन्दमन्दस्मितानुराग नमः

518. चिन्मुद्रापरिधूतान्तेवासिपुङ्गवसंशयाय नमः
519. हरिहारिवचोहासभस्मसात्कृतभैरवाय नमः
520. समाश्रितसुधन्वात्तपादुकानित्यपूजनाय नमः
521. नमःशेषिणे नमः
522. नामपराय नमः
523. नन्दिताशेषविष्टपाय नमः
524. एकदंष्ट्रिणे नमः
525. कषायिणे नमः
526. मुष्टिणे नमः
527. खण्डितसौगताय नमः
528. दिगम्बरादिदुःसिद्धसिद्धान्तविनिर्बर्णाय नमः
529. मल्लिकाश्वेतदशनाय नमः
530. महिलादूरमानसाय नमः
531. कामारिमूर्तये नमः
532. कुतूकिने नमः
533. कमनीयगुणकराय नमः
534. सोमोद्भवतटीकृपुसौम्यगोविन्दसेवनाय नमः
535. मालिकाप्रियचालुक्यराजपूजितविग्रहाय नमः
536. अत्याश्रमवर्णिनाय नमः
537. श्रिये नमः
538. श्रितकल्लद्रुमाय नमः
539. अश्रमाय नमः
540. मरुद्बुधजलम्बायिने नमः
541. घटोद्भवसुदर्शनाय नमः
542. स्वयंविनम्रवृक्षाग्रशाखापिर्तिफलाशनाय नमः

543. वर्षद्रलाहकोन्मुक्तनीरासाराध्वमध्यगाय नमः
544. समुज्ज्वलदवज्वालादतुवीथीबनाश्रयाय नमः
545. शरारत्नमृगनिर्वृतसरणीयसृतिद्रमाय नमः
546. सदानुकूलपवनाय नमः
547. वसिष्ठाय नमः
548. वाग्यताय नमः
549. वराय नमः
550. समीभवत्समुत्पाताय नमः
551. पांसून्मुक्तपथान्तराय नमः
552. तुषारशीकरस्पृष्टश्लिष्टपिष्टादनक्रियाय नमः
553. मकरन्दवरीमान्यमधुरोक्तये नमः
554. महाकवये नमः
555. कमण्डलूदरकोडीकृतकल्लोलिनीवराय नमः
556. अमृष्टभस्मक्लिन्नांशुकान्तनीरचरस्थितये नमः
557. बेलाधामव्युदस्तार्धये नमः
558. मृतसङ्गीबनेष्फणाय नमः
559. महाव्याधिप्रशमनाय नमः
560. मदग्लाय नमः
561. मृगवश्यकृते नमः
562. जडकुर्जादिसञ्ज्ञाविणे नमः
563. लतापुष्पकृतार्चनाय नमः
564. सौवस्तिकत्रोष्टुर्बन्दाय नमः
565. सौखसुप्तिककौशिकाय नमः
566. सौप्राभातिककालकोलाय नमः
567. सौखাসनिकपन्नगाय नमः

568. सौखगायनकृद्धेकाय नमः
569. सौवातिथ्यकपुष्पलिहे नमः
570. सौवागतिकशार्दूलाय नमः
571. सौखोन्मृष्टिकवृश्चिकाय नमः
572. सौस्नातिकप्रश्रवणाय नमः
573. सौवभ्यञ्जनिकाश्रुदाय नमः
574. सौबीजितिकवातूलाय नमः
575. सौवनातपिकद्रुमाय नमः
576. सौवासितिकपञ्चासयाय नमः
577. सौवक्कसिकबाहसाय नमः
578. सौविहासिकमन्त्रेभाय नमः
579. सौवध्युषितकृद्गुहाय नमः
580. सौप्रस्थितककान्तराय नमः
581. सौशाकुनिकमौकलाय नमः
582. सौवापीतिकवेशन्ताय नमः
583. सौजङ्गिकफलेग्रहये नमः
584. सौविलिप्तिकभूधूलये नमः
585. सौवस्तुकपटच्छराय नमः
586. सौजापितिकभल्लुकाय नमः
587. सौवधीतिकचातकाय नमः
588. सौसंविष्टिकगोपुच्छाय नमः
589. सौबुदगीतिककोकिलाय नमः
590. सौखप्रवृद्धिकश्वाविधे नमः
591. सौबाह्निकदिवाकराय नमः
592. सौरात्रिकतुषारांशवे नमः



593. सौयामिकदिबानिषाय तमः
594. अवाचे नमः
595. अकायाय नमः
596. अचिन्ताय नमः
597. दण्डिने नमः
598. द्वैततमोरवये नमः
599. षड्गुणाय नमः
600. सप्तभङ्गीस्याद्वादभेदिने नमः
601. अष्टसिद्धिमते नमः
602. त्र्यम्बकमूर्तये नमः
603. चतुर्वर्गसुरभये नमः
604. ऋद्धिबेधित्रे नमः
605. श्रीनवावरणार्चादिविद्याचार्याय नमः
606. अदशाय नमः
607. अजराय नमः
608. रुद्रैकदशिनीजापन्नपितार्थेन्दुशेखराय नमः
609. निर्गन्धाय नमः
610. न्यस्तकर्मोघाय नमः
611. निःश्रेयसरताय नमः
612. अरतये नमः
613. निरन्ताय नमः
614. नीरुजाय नमः
615. अनीडाय नमः
616. नियमब्रजधूर्वहाय नमः
617. निगुन्तशतनिर्दिष्टनिर्दुष्टाद्वैतपद्धतये नमः

618. सङ्केतपशारीरककृतसर्वज्ञात्पार्षितासनाय नमः
619. नैष्कर्म्यसिद्धिकृद्दार्तिककृद्देवेश्वरान्तराय नमः
620. प्लुष्टटीकापञ्चपादीपाठतोषितपद्मपदे नमः
621. हस्तमलकिताध्यातृहस्तमलकहंसकाय नमः
622. ब्रह्मन्दानन्दगिरितोटकप्रकटाग्र्यधिये नमः
623. चित्सुखाचार्यकुण्डलाचर्याविख्यापिताश्रमाय नमः
624. उपदेशसहस्रादिप्रथितप्रकटाद्वयाय नमः
625. आन्नायाष्टकनिर्देष्टे नमः
626. मध्यमोन्नायनिर्णीताय नमः
627. विजृम्भणदशाध्वस्ततथागतपथागताय नमः
628. द्वारकामठनिर्मात्रे नमः
629. कालिकापीठकल्लकाय नमः
630. सिद्धेश्वरसपर्याकृते नमः
631. भद्रकालीप्रसादनाय नमः
632. छन्दोगाय नमः
633. कीटवारस्थाय नमः
634. गोमतीतीर्थसेवनाय नमः
635. स्वरूपरत्नचार्यार्यपद्मपादनिदेशकृते नमः
636. आश्रमिणे नमः
637. तद्धमस्यादिमहावाक्यार्थरूपवते नमः
638. ज्योतिर्मठकराय नमः
639. ज्योतिष्मतीपीठनिदेशकृते नमः
640. बदर्याश्रमसंस्थानाय नमः
641. अलकनन्दावगाहनाय नमः
642. आथर्वणाङ्गिरोवेदिने नमः

643. श्रीपूर्णागिरिसेवकाय नमः
644. गोवर्धनमठीनाथाय नमः
645. गिरियोगपटाश्रयाय नमः
646. पुरुषोत्तमसत्क्लेत्रिणे नमः
647. विमलापीठकल्लकाय नमः
648. शतानन्दाय नमः
649. शतौजसे नमः
650. दशेन्द्रियविनिग्रहाय नमः
651. श्रीतुन्दलितदेशश्रीश्वशृङ्गगिरिश्रयिणे नमः
652. शारदावचनख्यातव्याख्यापीठाधिरोहणाय नमः
653. रामचन्द्रपुरक्लेत्रिणे नमः
654. तुङ्गभद्रातटाश्रमिणे नमः
655. बराहदेवतासारशारदाह्वयशक्तिभूते नमः
656. भूरिवारिणे नमः
657. कृष्णयजुर्वेदिने नमः
658. श्रीभारतीपदाय नमः
659. विभक्तकाधिष्ठानसुमलहानिकरेशदृशे नमः
660. विरूपाक्षमहादेवमहनीयपदाश्रयाय नमः
661. मनीषिमण्डलीमान्यमौलान्नायमहागुरवे नमः
662. प्राच्यप्रतीच्यावाच्योदीच्यान्नायादिमदेशिकाय नमः
663. प्राच्यान्नायसुविन्यस्तहस्तमलकसंस्तुताय नमः
664. प्रतीच्यान्नायसन्देशनानन्दितसनन्दनाय नमः
665. अवाच्यान्नायनिष्किपुपृश्नीधरनताङ्घ्रिकाय नमः
666. उदीच्यान्नायजानन्दानन्दगिषाडिबन्दिताय नमः
667. कामकोटीपीठपतये नमः

668. कम्पावेगवतीचराय नमः
669. एकाग्रनाथचरणसरोजातमधुब्रताय नमः
670. कामाक्षीचरणद्वन्द्वपादुकार्चनतत्पराय नमः
671. ऋग्नेदात्रने नमः
672. पररम्भव्यवस्थापनधीरधिये नमः
673. सत्यव्रतसमाख्यातकाण्ड्यन्तरितविग्रहाय नमः
674. सर्वज्ञपीठाध्यारोहलुप्तसार्वज्ञ्यसंशयाय नमः
675. सुरेश्वरादिसच्छात्रसमाराधितपादुकाय नमः
676. मीमांसान्वयपारीणाय नमः
677. काणादाम्बुपदाध्वविदे नमः
678. द्वात्रिंशदायुःकलितत्रिःप्रदम्निगभूतलाय नमः
679. आसेतुहिमशैलान्तधर्मस्थापनदेशिकाय नमः
680. विद्यावशीकृतशेषदेशविद्वज्जनार्चिताय नमः
681. जगदगुरवे नमः
682. जगद्योनये नमः
683. शास्त्रयोनये नमः
684. समन्वयिने नमः
685. स्पष्टास्पष्टरत्नलिङ्गिने नमः
686. साङ्ख्ययोगविमर्शकृते नमः
687. वैयाकरणधीशोधिने नमः
688. वसिष्ठाय नमः
689. ककुबजराय नमः
690. गौतमीयवचोमुद्रिणे नमः
691. वैशेषिकमदापहाय नमः
692. शौद्धोदनिमदोत्सादिने नमः

693. जैमिनीयकुदृष्टिहते नमः
694. दिगभ्ररनयान्तुल्लाय नमः
695. ध्वस्तपाशुपतक्रियाय नमः
696. शून्यानुवादनिर्हर्त्रे नमः
697. भिन्नभागवतागमाय नमः
698. विनोदनिर्मितप्रीटन्यायगङ्गीरभाष्यकृते नमः
699. व्याख्यातजीवचरिताय नमः
700. विश्वसृष्टिविशारदाय नमः
701. स्थितिसीमाविभागज्ञाय नमः
702. प्रलयार्थप्रकाशकाय नमः
703. संसारतत्त्वसञ्चयावते नमः
704. मायातत्त्वनिरूपणाय नमः
705. समूलाविद्यकोध्यारोपान्मूलनविचक्षणाय नमः
706. संसारतारणोपायसन्दर्शनपटिष्ठवाचे नमः
707. रसिकाल्लादजनकमहावाक्यचमत्कृतये नमः
708. ध्वनिप्रधानामरुक्शतश्लोकमहाकवये नमः
709. रत्नसूत्ररत्नशिखागीताप्रस्थानभाष्यकृते नमः
710. प्रत्यङ्मुखैक्यबोधाध्वदर्शिने नमः
711. मोक्षाध्वदर्शकाय नमः
712. निरन्तरकृतान्नायशिरोनिगदशीलनाय नमः
713. वेदान्तवनहर्षकाय नमः
714. तत्त्वज्ञानमहोदधये नमः
715. तरुणाय नमः
716. तरुणीदूराय नमः
717. तारापतिसमच्छवये नमः

718. तारकरुम्मतद्धुङ्गाय नमः
719. तपस्विने नमः
720. तपसानुगाय नमः
721. तपत्रयविनिर्मुक्ताय नमः
722. नलिनोक्तिनिरासकृते नमः
723. अलङ्कृतिने नमः
724. अतिमान्यश्रियै नमः
725. आत्तुविदे नमः
726. ररुम्भविभुमाय नमः
727. ररुम्भग्याय नमः
728. ररुम्भभूताय नमः
729. स्वाधिष्ठानाधिगतकाधिगाय नमः
730. कृतपुण्यस्थलीयात्राय नमः
731. उधर्मान्नायार्थतद्धुविदे नमः
732. कैवल्यक्षेत्रविजयिने नमः
733. शुद्धमानसतीर्थकाय नमः
734. सुमेरुमूलसङ्गारिणे नमः
735. मायाशक्तिविभावनाय नमः
736. सत्यज्ञानाभिधाह्वानिने नमः
737. अखण्डानन्दमूर्तिमते नमः
738. सोहंशिबोहंबाक्यश्रियै नमः
739. प्रत्यगाम्नायवेदनाय नमः
740. निरङ्गनेश्वरासेविने नमः
741. श्रीकराय नमः
742. सम्प्रदायभूते नमः

743. विद्यापीठमहायोगिने नमः
744. परमात्मुमठाश्रयाय नमः
745. त्रिपुटीतीथविहृतये नमः
746. योगक्षेत्रादिवाकराय नमः
747. श्रीविद्याशक्तिजपनाय नमः
748. मन्त्रिणे नमः
749. सन्तोषनैगमिने नमः
750. परहंसपरिव्राजे नमः
751. श्रीसिद्धाख्यैर्ऋचर्यभूते नमः
752. मातृकैकमहावाक्याय नमः
753. क्षेत्रज्ञाय नमः
754. अम्बरतः पराय नमः
755. निष्कलाम्नायनिरताय नमः
756. शान्तिदाप्तिश्रुताय नमः
757. चित्तै नमः
758. आनन्दपीठसंविष्टाय नमः
759. स्वानुभूतिपदाश्रयाय नमः
760. श्रद्धामैत्र्यादिनिर्देष्टाय नमः
761. सच्चिन्मठसमाश्रयाय नमः
762. नभस्तीर्थाय नमः
763. नभोदर्शिने नमः
764. नभसे नमः
765. चिच्छक्तिचित्तनाय नमः
766. प्रणवप्रणयिने नमः
767. नम्रिणे नमः

768. नन्दगोपजपूजकाय नमः
769. भूमे नमः
770. रश्मानन्दनाम्ने नमः
771. कूटस्थाय नमः
772. अम्बराय नमः
773. ईष्टदाय नमः
774. पराकप्रत्यग्भिन्नाय नमः
775. सकलात्माने नमः
776. अकलाय नमः
777. पुरवे नमः
778. पुरुषाय नमः
779. पुष्कलाय नमः
780. पूर्णाय नमः
781. सत्तामात्राय नमः
782. पुरातनाय नमः
783. भोगयोगिने नमः
784. योगभोगिने नमः
785. भुवनात्माने नमः
786. बनेचराय नमः
787. भूतिकृते नमः
788. भूतिदाय नमः
789. भूताय नमः
790. भूरिषाय नमः
791. भूतभावुकाय नमः
792. चक्रभूते नमः
793. चक्रराजार्चासम्प्रदायप्रवर्तकाय नमः



794. चक्रिभूषणभूताञ्जने नमः
795. चक्रपाणिनिषेविताय नमः
796. चक्रवर्तिशिरोभूषाशेषायितनखच्छवये नमः
797. चामीकरीकृतमद्रदरिद्रराम्नीगृहाय नमः
798. चतुरोदारगङ्गीरवाक्यनिर्भरवादकृते नमः
799. चण्डलाय नमः
800. चन्द्रचूडाञ्जने नमः
801. जितचम्पकनासिकाय नमः
802. चर्चिताशेषभूचक्रसङ्गारिमतसङ्गयाय नमः
803. चालिताद्वैतविज्ञानाय नमः
804. चराय नमः
805. चित्रिणे नमः
806. चिदम्बराय नमः
807. टीर्णसत्यत्रेतस्थानचिरन्तनसुखासिकाय नमः
808. चूर्णितच्छात्रहृदग्रस्थये नमः
809. चूर्णपूर्णदुरासकृते नमः
810. प्रतिष्ठापकधौरेयाय नमः
811. प्रतिष्ठितमहायशसे नमः
812. प्रौढविज्ञानवादिस्वर्गसर्वक्लेशोदिताय नमः
813. नन्दिताशेषभूचारिणे नमः
814. यतिधर्मविमर्शकृते नमः
815. दर्शिताध्यात्र्याथात्र्याय नमः
816. सुधीसङ्घनिषेविताय नमः
817. नदीनदसरस्तीर्थाप्लावपावितविग्रहाय नमः
818. पण्डितव्रातपाण्डित्यप्रमोक्षणपटुदिताय नमः

819. तत्पदार्थप्रकटनाय नमः
820. त्वम्पदार्थविवेककृते नमः
821. नित्यानन्दाय नमः
822. निरालम्बाय नमः
823. निरम्भाय नमः
824. निखिलेष्ककाय नमः
825. नित्यधिये नमः
826. नित्यसङ्कल्पाय नमः
827. निधिस्थाय नमः
828. निरविद्याकाय नमः
829. नित्यवासिने नमः
830. नित्यशुचये नमः
831. निर्लुर्धाय नमः
832. निगमारिन्ध्रे नमः
833. निरङ्गनाय नमः
834. नित्यपूज्याय नमः
835. नित्यमुक्ताय नमः
836. निरीश्वराय नमः
837. निष्कर्त्रे नमः
838. निष्कृतये नमः
839. निःस्वाय नमः
840. निष्काय नमः
841. निखिलवासभुवे नमः
842. पुरीशाय नमः
843. पूर्वगाय नमः

844. पुण्याय नमः
845. पूर्वनामिने नमः
846. पुरप्रियाय नमः
847. विख्यातवीर्याय नमः
848. विदेशाय नमः
849. श्रीविद्याषोडशीगुरवे नमः
850. लम्ब्यै नमः
851. लम्क्याय नमः
852. लम्बगाय नमः
853. लम्कण्डाय नमः
854. लसत्पदाय नमः
855. ह्रीमते नमः
856. हंसगतये नमः
857. हंसाय नमः
858. हंसश्वेतहृदभ्रुजाय नमः
859. हंसमन्त्रार्थतद्भुजाय नमः
860. हंसवर्णाय नमः
861. हरिप्रियाय नमः
862. हर्षामर्षसहाय नमः
863. हासकुशलाय नमः
864. हानिबुद्धिनुदे नमः
865. सभ्याय नमः
866. सभापतये नमः
867. स्वामिने नमः
868. सङ्गतये नमः

869. सञ्जवापहाय नमः
870. ह्रीबेरशीतलश्वान्ताय नमः
871. ह्रीमतीहारिताम्बुभाजे नमः
872. लक्ष्मिताशेषमन्त्रार्थाय नमः
873. लक्ष्मकोट्युनायकाय नमः
874. ललितान्नाय नमः
875. लयज्जात्रे नमः
876. लर्धस्त्राय नमः
877. लर्धर्षणाय नमः
878. कञ्जुकर्णाय नमः
879. कलिध्वंसिने नमः
880. कल्याणात्माने नमः
881. कलध्वनये नमः
882. भूषितान्तर्वाणिचक्राय नमः
883. भूगाय नमः
884. भूसुरसेविताय नमः
885. यागविदे नमः
886. योगविदे नमः
887. युक्ताय नमः
888. यशोदाय नमः
889. यमप्रियाय नमः
890. उक्कारव्याहृतिव्याघ्राय नमः
891. नमितारातिमण्डलाय नमः
892. नागशैलशिरश्चारिणे नमः
893. रामगिर्याश्रमाश्रयाय नमः
894. बाङ्गितार्थप्रदाय नमः

895. शर्वाय नमः
896. अदीनाय नमः
897. मोदमेदुराय नमः
898. यतिचर्याविवेकज्ञाय नमः
899. यतधिये नमः
900. यतभावनाय नमः
901. ओङ्कारिणे नमः
902. वितताद्वैतश्रुतिन्यायाय नमः
903. कृपानिधये नमः
904. यन्त्रे नमः
905. यतमनसे नमः
906. यम्याय नमः
907. यज्ञाङ्गाय नमः
908. यज्ञभूषणाय नमः
909. यज्ञाय नमः
910. यज्ञपतये नमः
911. यज्ञने नमः
912. यज्ञभूवे नमः
913. यज्ञभावनाय नमः
914. कृपार्पितकरालाश्रय नमः
915. विध्वस्तविधये नमः
916. अणुसूवे नमः
917. निखिलस्त्रातलाचार्याय नमः
918. पाषण्डमतखण्डनाय नमः
919. प्रतिष्ठापकमूर्धन्याय नमः
920. मताद्वयमहानयाय नमः

921. परिव्राजकधूर्बोद्रे नमः
922. अनन्तधुरे नमः
923. अन्तरान्तराय नमः
924. मुक्ताय नमः
925. मुकुन्दाय नमः
926. मध्यस्थाय नमः
927. मददूराय नमः
928. मनोमयाय नमः
929. शान्ताय नमः
930. शुभङ्कराय नमः
931. शुक्राय नमः
932. शूराय नमः
933. शोकविवर्जिताय नमः
934. भिष्कवे नमः
935. तरङ्कवे नमः
936. ऋमित्रे नमः
937. अङ्कतये नमः
938. साङ्कतार्चनाय नमः
939. राजराजार्चिताय नमः
940. रङ्ग्याय नमः
941. रङ्गकाय नमः
942. रश्मिमते नमः
943. रमाय नमः
944. रमणाय नमः
945. रसवादिने नमः
946. रजताद्रिनिकेतनाय नमः

947. असूलाय नमः
948. अनणवे नमः
949. ह्रस्वाय नमः
950. मनवे नमः
951. मेधायै नमः
952. महामनसे नमः
953. बह्मपादाय नमः
954. बह्मभुजाय नमः
955. बह्मशीर्षाय नमः
956. बह्मप्रियाय नमः
957. नास्तःप्रञ्ज्वाय नमः
958. नप्रञ्ज्वाय नमः
959. नबहिःप्रञ्ज्वाय नमः
960. नाप्रञ्ज्वाय नमः
961. प्रञ्जानघनाय नमः
962. विञ्जानात्माने नमः
963. विलासकृते नमः
964. प्रियाप्रियस्पर्शहीनाय नमः
965. अमृताय नमः
966. आकाशदेहवते नमः
967. अभूमये नमः
968. अजलाय नमः
969. अनग्नये नमः
970. अवायवे नमः
971. अनश्वराय नमः
972. अग्राह्याय नमः

973. अद्रेष्यकाय नमः
974. अश्रोत्रे नमः
975. श्रोत्रे नमः
976. कर्त्रे नमः
977. अकर्तृकाय नमः
978. अगन्काय नमः
979. अरसकाय नमः
980. अरूपाय नमः
981. अस्पर्शाय नमः
982. अशर्दाय नमः
983. शर्दभाजे नमः
984. मन्त्रे नमः
985. अमन्त्रे नमः
986. अनुमन्त्रे नमः
987. बोद्धे नमः
988. अबोद्धे नमः
989. प्रबोधकृते नमः
990. एकाय नमः
991. अनेकाय नमः
992. केवलात्माने नमः
993. सर्वस्मै नमः
994. संसारमोचनाय नमः
995. नित्यशुद्धाय नमः
996. नित्यवृद्धाय नमः
997. नित्यमुक्ताय नमः
998. निराश्रयाय नमः



999. हार्दविद्यातमश्चेत्त्रे नमः  
1000. भक्तहृत्पद्मभास्कराय नमः



## श्रीमत्-शङ्कर-भगवत्पाद-सहस्रनामानि (अर्थसहितानि)

1. श्रीगुरुः — श्री कुरुவே நமஸ்காரம்
2. शुद्धहृदयः — சுத்தமான ஹ்ருதயத்தை உடையவர்
3. श्रेयान् — உயர்ந்தவர்
4. शान्तः — (அவாக்கள்) அடங்கிய மனதை உடையவர்
5. दयानिधिः — கருணையின் கருவூலமானவர்
6. दास्यः — புற புலன்களை அடக்கியவர்
7. तितिक्षुः — பொறுமை உடையவர்
8. चन्द्राब्जः — சந்திரன் போல் பிரகாசிப்பவர்
9. न्यस्तकर्मा — (ஸம்ஸாரிகளின்) செயல்களை விடுத்தவர்
10. समाहितः — மனதையும் புலன்களையும் ஸத்விஷயங்களில் நிறுத்தியவர்
11. चटुलः — அழகுற எப்பொழுதும் காரியங்களில் முற்பட்டவர்
12. यतचित्तः — மனதை அடக்கியவர்
13. श्रद्धाधानः — (ஸாஸ்த்ரம் மற்றும் குரு வாக்கியத்தில்) நம்பிக்கை உடையவர்
14. चिरन्तनः — (தக்ஷிணாமூர்த்தி வடிவில் காலவரையறையற்றவராக முந்தையவர்களுக்கெல்லாம் குருவாக) தொன்றுதொட்டு இருப்பவர்
15. चापलः — (மக்கள் நல்வழியில் வரமாட்டார்களா என்ற) அவா கொண்டவர்
16. चतुरास्येड्यः — ப்ரஹ்மாவால் போற்றப்பட்டவர்
17. चरितव्रतकोविदः — விடாது நன்னடத்தையில் திறம்பட இருப்பவர்

18. चतुरः — திறமைசாலி
19. श्रुतिमौलिः — (வேதத்தின் உச்சியில்) வேதாந்தத்தில் (ஆசார்யனாக) நின்றவர்
20. शिवः — ஸிவனாரின் (அவதாரமானவர்)
21. शुद्धप्रबोधकः — தூயதை நன்கு போதிப்பவர்
22. वनी — (உணர்ச்சிகளை) தன் கட்டுக்குள் வைத்தவர்
23. विश्वेश्वरः — (மூல வடிவில்) உலகத்தை ஆள்பவர்
24. मूख्यः — சிறந்தவர்
25. अमूल्यः — மதிப்பிட முடியாதவர்
26. मूलकृत् — (அத்வைதத்தின்) மூல (பாஷ்ய நூல்களை) செய்தவர்
27. मयी — யஜ்ஞங்களை (தான் காப்பாற்றவேண்டியவையாகக்) கொண்டவர்
28. मूर्धाभिषिक्तः — தலைவராக பட்டாபிஷேகம் செய்விக்கப்பட்டவர்
29. सर्वेशः — அனைத்தையும் செய்யவல்லவர்
30. महादेवः — பெரும் தேவன் (அல்லது பூதேவர்களுக்குள் சிறந்தவர்)
31. मदामदः — சுகமும் துக்கமும் (அனுபவிக்கும் ஸரீரமெனும் உபாதிக்கு உட்புகுந்தவர்)
32. भवः — உலக உற்பத்திக்கு காரணமானவர்
33. रुद्रः — அழகையைப் போக்குபவர்
34. हरः — (பாபங்களை) நீக்குபவர்
35. मूक्तः — கள்ளங்கபடமின்மை என்ற அழகை உடையவர்
36. शर्वः — (தோஷங்களை) அழிப்பவர்
37. ईशानः — (உலகு) ஆள்வதை சுபாவமாகக் கொண்டவர்
38. ईश्वरः — திறம்பட (உலகு) ஆள்வவர்
39. महेशः — சக்தியுடையவர்களில் சிறந்தவர்
40. शक्तिवृत् — (பக்தர்களுக்கு) நலத்தை விளைவிப்பவர்

41. सूश्रुः — (ஆத்மா, மனஸ், இந்த்ரியங்கள்) ப்ரஸன்னமாக இருப்பவர்
42. श्रिरः — உறுதியாக இருப்பவர்
43. श्रागुः — அசைவற்ற (பரம்பொருளாக) இருப்பவர்
44. सूरार्चितः — தேவர்களால் போற்றப்படுபவர்
45. शाश्वतः — என்றும் இருப்பவர்
46. सौम्यबदनः — இனிமை மிகுந்த முகமுள்ளவர்
47. सिद्धयोगिनिषेवितः — ஸித்தர்களாலும் யோகிகளாலும் வணங்கப்பட்டவர்
48. सोमः — (கருணையாகிய) உமையுடன் இருப்பவர் (அல்லது) சந்த்ரனை (போல் உபதேச அமுதம் பொழிபவர்)
49. सुधास्वच्छतनुः — அம்ருதமயமான சுத்தமான உடலைக் கொண்டவர்
50. श्रीमान् — (ஞானமாகிய நீங்காத) செல்வம் உடையவர்
51. प्रेषान् — (பக்தர்களின்) மிகுந்த அன்பிற்குரியவர்
52. जगत्पतिः — உலகுக்கு தலைவர்
53. श्रीकृष्णः — (உலகைக் காக்க) விடமுண்ட கண்டன் ஆனவர்
54. श्रितवात्सल्यः — (பக்தர்களிடம்) அன்புகாட்டுவதில் நிலைத்தவர்
55. शान्तवः — சிவனை வழிபடுபவர்
56. शङ्कराभिधः — சங்கர என்ற பெயர் கொண்டவர்
57. वीरः — (தர்மத்தைக் காப்பதில்) வீரர்
58. शुभविहारी — ஸஞ்சாரத்தால் மங்களத்தைப் பரப்புவவர்
59. शुद्धरन्मैक्यमूर्तिमान् — சுத்த பிரம்மத்தில் ஐக்கியமே தனது (உண்மை) வடிவமாக உடையவர்
60. अखिलः — முழு (பிரபஞ்ச வடிவினர்)
61. अखिलखग्लम्यः — அனைத்து மந்திரங்களாலும் போதிக்கப்படுபவர்
62. भूतात्मा — (ஐம்) பூதங்களுக்கு உள்ளிருப்பவர்
63. भूतकृत् — (ஐம்) பூதங்களை உருவாக்கியவர்

64. विभूः — எங்கும் நிறைந்தவர்
65. आङ्गाकूत् — (சிவனார் வடிவில் தேவர்களை அந்தந்த வடிவில் பிறக்கும்படி) கட்டளையிட்டவர்
66. अमरोदोगी — தேவர்களின் (நலனுக்காக) முயற்சி செய்பவர்
67. कलिभीतसूरार्थितः — கலிக்கு பயப்படும் தேவர்களால் (தக்ஷிணாமூர்த்தி வடிவில்) வேண்டப்பட்டவர்
68. गुहादेशी — முருகனை (குமாரில பட்டராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
69. गुहागैही — (அவ்வப்போது மலை) குறைகளை இருப்பிடமாகக் கொண்டவர்
70. विष्णुर्मानिदेशकूत् — விஷ்ணு ப்ரஹ்மா (இவர்களை ஸநந்தனர் மற்றும் ஸுரேச்வரராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
71. गुह्यः — (அஸத்துகளிடம் சொல்லத்தகாத) ரகசியமானவர்
72. गुहाशयः — (ஹ்ருதய) குறையில் உறைபவர்
73. गूढः — (ப்ரஹ்ம வடிவில் அறியவொண்ணாது எவ்விடமும்) ஒளிந்திருப்பவர்
74. भूरिदः — அள்ளி வழங்குபவர்
75. भूतिकूत् — செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
76. रुधः — அறிஞர்
77. भूभूतश्चः — மலையில் ஸஞ்சரிப்பவர்
78. भूतिभूत् — (உலகில் தர்மமெனும்) செல்வத்தை பராமரிப்பவர்
79. भूभूक् — உலகைக் காப்பவர்
80. भूतेशः — ஜீவராசிகளுக்கு தலைவர்
81. भूतभावनः — ஜீவராசிகளை உருவாக்கியவர்
82. भद्रः — மங்களமானவர்
83. भव्यः — மனதிற்கினியவர்
84. भवभिषक् — பிறவிப்பிணிக்கு வைத்தியர்
85. भक्तपूज्यः — பக்தர்களால் பூஜை செய்யப்படுபவர்

86. पिनाकभूत् — (சிவனார் வடிவில்) பிநாகம் (என்னும் வில்லை) தாங்கியவர்
87. मण्डलाब्जा — (ஸத்துக்களின்) மண்டலத்திற்கு ஆத்மாவாக இருப்பவர்
88. मधुरवाक् — இனியன மொழிபவர்
89. स्मितः — புன்னகை பூத்தவர்
90. मान्यः — மரியாதைக்குரியவர்
91. मधुः — தேனையை (ஸாரமான ஆனந்தம் கொடுக்கும் பரம்பொருளானவர்)
92. मूनिः — மௌனமாக சிந்திப்பவர்
93. महातेजाः — பேரொளிபடைத்தவர்
94. महितवाक् — பெருமைக்குரியன சொல்பவர்
95. अलङ्कारः — (பூமியை) அலங்கரிப்பவர்
96. अमलः — (முந்தைய பிறப்பில் சேகரித்து தீய எண்ணமாகிய) அழுக்கு இல்லாதவர்
97. अनघः — பாவமில்லாதவர்
98. बालः — (எளிமை மற்றும் கபடமின்மையில்) குழந்தை போன்றவர்
99. अबलैषणामुक्तः — பெண்ணாசை அற்றவர்
100. आर्यभूः — (வெளிப்படையாகவும் ஸூக்ஷ்மமாகவும்) சான்றோரிடையே இருப்பவர்
101. आर्यसंश्रयः — சான்றோருக்கு அடைக்கலமாக இருப்பவர்
102. शीली — சீலம் மிகுந்தவர்
103. शिवगुरुप्रेष्ठः — சிவகுருவின் ப்ரிய (மகனார்)
104. आर्यासुप्रजा — ஆர்யாம்பாவின் உயர்ந்த குழந்தை
105. शिवः — மங்களமானவர்
106. परात्परः — அப்பாலுக்கும் அப்பாலாய் இருப்பவர்
107. त्रयस्त्रिंशत्कोटिदेवसुसन्नुतः — முப்பத்து முக்கோடி தேவர்களால் நன்கு வணங்கப்படுபவர்
108. उदारधीः — விசாலமான மனம் உடையவர்

109. सत्यरूपः — ஸத்ய வடிவினர்
110. कालटीजननः — காலடியில் பிறந்தவர்
111. अद्वयः — இரண்டற்றவர்
112. विद्यापतिः — கல்விக்கு தலைவர்
113. बटुः — ப்ரஹ்மசாரியாக இருப்பவர்
114. वेद्यः — (த்யானத்தால்) அறிய வேண்டியவர்
115. चिन्मयः — சைதன்ய வடிவினர்
116. चूर्णिकाप्रियः — சூர்ணிகா (பூர்ணா என்னும் நதியில் பால்யத்தில்) களித்தவர்
117. श्रीमार्थितगाईश्वः — மதிப்பிற்குரிய அன்னையால் இல்லறம் (ஏற்கும்படி) வேண்டப்பட்டவர்
118. श्रेयोधीः — (இல்லறத்தை விட) உயர்ந்ததை மனதில் அசையாது கொண்டவர்
119. श्रितदेशिकः — ஆசார்யனை சரணடைந்தவர்
120. श्रीमुखः — (குரு முதன்முறை பார்த்தபோதே ஞானப்) பொலிவுடைய முகமுள்ளவராக (திகழ்ந்தவர்)
121. श्रीधरः — (அப்பொழுதே ஞான) லக்ஷ்மியைத் தாங்குபவராக (விளங்கியவர்)
122. शुष्मी — (உலகோருக்கு வழிகாட்டுவதற்கான) தேஜஸ்ஸைக் கொண்டவராக (குருவால் காணப்பட்டவர்)
123. शसिता — (சாஸ்த்ரத்தின்) உத்தரவை போதிப்பவர்
124. शुचिः — தூயவர்
125. उज्ज्वलः — (தேஜஸ்ஸால்) மிகவும் ஜ்வலிப்பவர்
126. साधुः — (பிறரின் நன்மையை) ஸாதித்துக்கொடுப்பவர்
127. श्रेयान् — வலுவானவர்
128. संघिषंसूः — துறவறம் பெற விரும்பியவர்
129. सरिदाप्लुतविग्रहः — (பூர்ணா) நதியில் உடல் முழுவதும் நனைத்தவர்

130. आहव्यजलर्ध्रसूसन्न्याससम्पत्तिः — முதலை பிடித்ததை வ்யாஜமாகக் கொண்டு தாயிடம் துறவறத்திற்கு அனுமதி பெற்றவர்
131. सन्यस्तः — (உடனே ஆபத்) ஸந்ந்யாஸம் பெற்றவர்
132. संयमी — புலன்களை அடக்கியவர்
133. प्रैषी — ஸந்ந்யாஸ மந்த்ரத்தை உச்சரித்தவர்
134. संसारत्यागतत्परः — ஸம்ஸார (வாழ்க்கையை) தியாகம் செய்வதில் முனைந்தவர்
135. अर्चिष्मन् — (துறவறத்தால் புதிய) பொலிவு பெற்றவர்
136. आतृगोविन्दः — கோவிந்த (பகவத்பாதரை மனதினால் குருவாக) வரித்தவர்
137. प्रसूतिः — (குருவிருக்கும் இடம் நோக்கி) கிளம்பியவர்
138. प्राप्नुसद्गुरुः — ஸத்குருவை சென்றடைந்தவர்
139. आमोदी — (குருவினால் சிஷ்யனாக) ஆமோதிக்கப்பட்டவர் / ஞான நறுமணம் கொண்டவர்
140. निगमास्तुतः — வேதாந்தத்தை அறிந்தவர்
141. एकानन्दरसायकः — ஒரே ஆனந்த ரஸமாக எப்போதும் இருப்பவர்
142. श्रीरक्षसूत्रव्याख्याता — ஸ்ரீ பிரம்ம சூத்திரத்திற்கு வியாக்யானம் எழுதியவர்
143. एकदण्डः — ஒரே தண்டத்தை கொண்டவர்
144. कषायभृत् — காவியை உடுத்தியவர்
145. भक्तप्रपञ्चसञ्छात्रः — பக்தர்களாகிய உலகத்தோர் (தமக்கு) மாணவர்களாகக் கொண்டவர்
146. गोविन्दभगवत्प्रियः — கோவிந்த பகவத்பாதருக்கு பிரியமானவர்
147. हरिसर्गचारी — (அவரது பூர்வாச்ரம புத்ரராகிய பர்த்ரு)ஹரியின் சக மாணவர்
148. स्पृष्टगौडपदाश्रुजः — கௌட(பாதரின்) பாதங்களைத் தொட்டு (வணங்கியவர்)



149. मातङ्गश्रीमहादेवीयोक्तिश्चापितसम्मतः — मातங்க மஹாராணியின் வேண்டுகோளின்படி (அந்த ராஜ்ஜியத்தில்) நல்தர்மத்தை ஸ்தாபித்தவர்
150. यतितीर्थादिपूर्यस्तुसम्प्रदायप्रवर्तकः — யதிகளுக்கு தீர்த்த முதல் புரீ வரை (தசநாமி) ஸம்ப்ரதாயத்தை ஏற்படுத்தியவர்
151. बादरायणवाग्वादी — (முதியவர் வேடத்தில் வந்த) வியாசருடன் வாதம் புரிந்தவர்
152. बह्शिष्यपरीवृतः — பல சிஷ்யர்களால் புடைசூழ்ந்தவர்
153. पद्मपादसनाथः — பத்மபாதரை (சிஷ்யனாக ஏற்று) பாதுகாத்தவர்
154. योगप्राप्तिहराचलः — யோகத்தினால் ஹரனின் மலைக்கு (கைலாயத்திற்கு) சென்றவர்
155. आनीतलिङ्गकुलकः — (சிவனார் அளித்த) ஐந்து லிங்கங்களை எடுத்து வந்தவர்
156. आनन्दलहरीप्रहः — (ஸௌந்தர்ய லஹரியின் முன் பகுதியாகிய) ஆநந்தலஹரியை பெற்றவர்
157. केदारेशप्रतिष्ठाता — கேதாரில் முக்தி லிங்கத்தை ப்ரதிஷ்டை செய்தவர்
158. नेपालवरलिङ्गकृत् — நேபாளத்தில் வர லிங்கத்தை வைத்தவர்
159. काशीरादिक्लेशवासि — காஸ்மீரம் முதலான இடங்களில் வசித்தவர்
160. दूर्वादिमतखण्डनः — கெட்ட வாதங்களுடைய மதங்களை கண்டித்தவர்
161. श्रीहस्तिगिरिनाथादिदिव्यक्लेशचरः — ஹஸ்திகிரி (விஷ்ணு காஞ்சி) முதலான க்ஷேத்திரங்களுக்கு சென்றவர்
162. सूधीः — நல்லறிவு உள்ளவர்
163. रुद्रभट्टोक्तिरुद्राक्षतः — (குமாரில) பட்டர் கூறிய (ஈசன் தேவையில்லை, கருமமே பலனளிக்கும் என்ற) ஸித்தாந்தத்தைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
164. जितमगुनभारतिः — மண்டன மிசர் (மற்றும் அவரது பத்னியான) பாரதியை வெற்றி கொண்டவர்
165. परकायप्रवेशोपाश्रयशर्महागमः — பரகாய ப்ரவேசம் செய்து காம சாஸ்த்ர நுணுக்கங்களை அறிந்தவர்



166. गुहान्सिंहसंस्तुबलर्धदक्षकराश्रुजः — (பரகாய ப்ரவேசத்தின் போது) குஹையில் (ஒளிக்கப்பட்டிருந்த தமது இயல்பு உடலை சிலர் எரிக்க முயன்ற போது) நரசிம்மரை வேண்டி எரிந்த தன் கரத்தாமரைகளை மீட்டுப்பெற்றவர்
167. सरस्वतीजयाध्यातयतीश्वरसुरेश्वरः — கலைவாணியை வெற்றிகொண்டு ஸுரேஸ்வரரை துறவி ஆக்கியவர்
168. हस्तमलकसेव्याङ्घ्रिः — ஹஸ்தமலகரால் ஸேவிக்கப்பட்ட திருவடிகளைக் கொண்டவர்
169. तोटकार्यसुसेवितः — தோடகாசார்யரால் நன்கு வணங்கப்பட்டவர்
170. चित्सुखोदक्षसच्छात्रबन्दिताङ्घ्रिः — சித்ஸுகர் உதங்கர் (போன்ற) நல்மாணவர்களால் வணக்கப்பட்ட திருவடியினர்
171. गुणश्रुधिः — குணக்கடலானவர்
172. इच्छालक्ष्मिरीशान्ना — விருப்பப்படி (தனது மூல) சிவ வடிவம் எடுக்கக்கூடியவர்
173. गौरीकांतः — கௌரியை ஈர்த்தவர்
174. गुरुभूमः — உத்தமமான குரு
175. गुरुराजः — குருமார்களுக்கரசர்
176. गुनी — நல்ல குணம் உடையவர்
177. गोप्ता — (பக்தர்களைக்) காப்பவர்
178. गोपनः — (ரகசியங்களை) ஒளிப்பவர்
179. नराकृतिः — மனித வடிவம் கொண்ட (தெய்வம்)
180. निर्ममः — மமதையற்றவர்
181. नरकारातिः — நரகத்திற்கு எதிரி
182. नम्यः — வணங்கத்தக்கவர்
183. नाथः — தலைவர்
184. निरङ्गनः — அப்பழுக்கற்றவர்
185. निष्स्पृहः — ஆசைகளை கட்டுப்படுத்தியவர்
186. निष्कलः — பகுக்க முடியாத (பிரமமே சொருபமானவர்)

187. नित्यः — என்றும் இருப்பவர்
188. नामरूपविवेकवान् — பெயர் உருவம் (இரண்டும் ப்ரஹ்மத்தைக் காட்டிலும் வேறு என்ற) விவேகம் உள்ளவர்.
189. नालीकः — பொய்யற்றவர்
190. निक्षिप्तः — செயல்களுக்கப்பாற்பட்டவர்
191. नीरूक् — வலியற்றவர்
192. निराशीः — ஆசைகள் இல்லாதவர்
193. निरामयः — வியாதி இல்லாதவர்
194. निनतिः — (யாருக்கும் தலை) வணங்கத் (தேவை) இல்லாதவர்
195. निःस्वधाकारः — ஸ்வதா (என்று சொல்லி செய்யும் பித்ரு காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
196. निःस्वाहाकृत् — ஸ்வாஹா (என்று சொல்லி செய்யும் தேவ காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
197. निरीश्वरः — (தனக்கு மேற்பட்ட) ஈசனில்லாதவர்
198. नीरूपकः — உருவற்ற (பரம்பொருளானவர்)
199. निर्गुणः — குணமற்ற (பரம்பொருளானவர்)
200. निष्कर्मा — புண்ணிய பாபமற்ற (பரம்பொருளானவர்)
201. निर्व्यथः — துக்கமற்றவர்
202. वशी — வசீகரிப்பவர்
203. निर्लेपः — பற்றில்லாதவர்
204. नित्यपूष्टः — என்றும் வலுவானவர்
205. शृष्टः — உற்சாகமுள்ளவர்
206. तूष्टजनाश्रयः — திருப்தியான ஜனங்களால் ஆம்ரயிக்கப்படுபவர்
207. साक्षात्कारी — (ப்ரம்ம ஞான நிலையை) நேரடியாக அனுபவித்தவர்
208. सन्निधानः — (ப்ரம்ம ஞான நிலைக்கு) அருகில் சேர்ப்பிப்பவர்

209. सूरिः — தத்துவமறிந்தவர்
210. सायम्भूः — (அன்றன்று) மாலை (எங்குள்ளாரோ அங்கேயே இரவு தங்கும்) வீடாக கொண்டவர்
211. यमी — புலன்களை கட்டுப்படுத்தியவர்
212. सत् — உண்மை வடிவினர்
213. सात्वान् — உண்மை(பொருளான பகவானை) உபாஸிப்பவர்
214. सात्त्विकः — சத்வ குணம் நிரம்பியவர்
215. सत्यः — கலாசாரம் நிரம்பியவர்
216. सर्वमित्रः — அனைவருக்கும் நண்பர்
217. स्मरान्तकः — காமனை அழித்தவர்
218. सशिष्यः — சிஷ்யர்களுடன் கூடியவர்
219. सद्गृही — (வேத தாத்தபரியத்தை) ஸங்க்ரஹம் செய்தவர்
220. ज्यायान् — மூத்தவர்
221. बली — சக்திமிக்கவர்
222. बाग्मी — வாக்கு வன்மை மிக்கவர்
223. मित्रोक्तिवृत् — அளவோடு பேசுபவர்
224. वाचस्पयः — பேச்சை அடக்கியவர்
225. वरिष्ठः — மிக உயர்ந்தவர்
226. व्याख्यानाख्यायिकापटुः — உரைகளை சரித்திரங்கள் (போல் அழகுற உருவாக்குவதில்) திறமிக்கவர்
227. परमः — எல்லாவற்றிலும் உயர்ந்தவர்
228. परिभूः — சுற்றிலும் இருக்கும் (பரம்பொருளானவர்)
229. प्रौढः — பக்குவமானவர்
230. प्राज्ञः — அறிவாளி
231. प्रीतः — மகிழ்வுடன் இருப்பவர்
232. प्रियंवदः — பிரியமாக பேசுபவர்

233. प्रातर्दी — (தோஷங்களை) அறவே ஒழிப்பவர்
234. दह्योगी — தஹர யோகம் அறிந்தவர்
235. प्रहः — வணங்கிய இயல்பினர்
236. प्रश्निरूपणः — கேள்விகளுக்கு (பதில்களை) நிரூபித்தவர்
237. पारश्वतः — எல்லையை அடைந்தவர்
238. पाशमुक्तः — பாசத்திலிருந்து விடுபட்டவர்
239. परवित् — பரத்தை அறிந்தவர்
240. प्रत्यगीक्षित — உள்நோக்கிய பார்வையுடையவர்
241. अधिष्ठानवित् — (ப்ரபஞ்சமாம் தோற்றத்திற்கு) ஆதாரத்தை அறிந்தவர்
242. अव्याजः — (அருள்மழைபொழிய) காரணமில்லாதவர்
243. एक्वादी — ஒரே இறை எனும் வாதத்தை கொண்டவர்
244. द्वासहः — இரட்டையை ஒப்பாதவர்
245. स्वभूः — தன்னில் நிலைத்தவர்
246. स्वराट् — (மோக்ஷ நிலையில் தன்னை ஆள பிறர் இல்லாது) தன்னைத் தானே ஆள்பவர்
247. विराट् — வியாபித்து ஆள்பவர்
248. मौनी — மௌனமாய் இருப்பவர்
249. स्वप्रकाशः — தானே ஒளிர்பவர்
250. स्वसम्प्रभूः — (மற்றொருவரை எதிர்பாராமல்) தாமே திறமிக்கவர்
251. महत् — மேன்மை பொருந்தியவர்
252. अरूपः — உருவமில்லாதவர்
253. अव्यक्तः — (எளிதில்) விளங்காதவர்
254. परं ज्योतिः — மிகவும் உயர்ந்த ஜோதியானவர்
255. परं पदम् — மிகவும் உயர்ந்த பதவியானவர்
256. परं धाम — மிகவும் உயர்ந்த உறைவிடமானவர்

257. परा काष्ठा — மிகவும் உயர்ந்த எல்லையானவர்
258. परा शक्तिः — மிகவும் உயர்ந்த சக்தியானவர்
259. परा गतिः — மிகவும் உயர்ந்த கதியானவர்
260. परम् ओकः — மிகவும் உயர்ந்த சேருமிடமானவர்
261. परं वस्तु — மிகவும் உயர்ந்த பொருளானவர்
262. परं रक्ष — மிகவும் உயர்ந்த பிரம்மமானவர்
263. परं पूरः — மிகவும் உயர்ந்து முன்நின்றவர்
264. पराघणः — மிகவும் உயர்ந்ததை அடைவிப்பவர்
265. परो भावः — மிகவும் உயர்ந்த த்யானவிஷயமானவர்
266. प्रशान्ता — மிகுந்த சாந்தமே சொருபமானவர்
267. प्रसादकः — திருப்தி செய்பவர்
268. प्रज्ञानघनमूर्तिः — ஞானம் தவிர வேறற்ற மூர்த்தியானவர்
269. प्रशान्ता — வழிநடத்திச் செல்பவர்
270. प्रत्यग्गर्भान् — உள்ளிருக்கும் பொருளை அறிந்தவர்
271. विज्ञाता — நுண்ணிய அறிவுடையவர்
272. विश्वकृत् — உலகை உருவாக்கியவர்
273. वेधाः — உலகின் (ஒவ்வொரு அம்சங்களையும்) அமைத்தவர்
274. वेदवेद्यस्वबैभवः — வேதத்தினால் மட்டும் அறியத்தக்கதும் தன்னிடம் மட்டும் உள்ளதுமான (தனிப்) பெருமையை உடையவர்
275. सत्यव्रतः — சத்தியத்தை விரதமாக கொண்டவர்
276. सत्यपरः — சத்தியத்துக்கு அர்ப்பணமானவர்
277. त्रिसत्यः — மூன்று காலத்துக்கும் சத்தியமானவர்
278. सत्यायकः — சத்தியத்திற்கு நாயகன்
279. सत्यप्रतिष्ठः — சத்தியத்தின் அடிப்படையில் (செயல்படுபவர்)
280. सत्याशीः — சத்தியமான வாழ்த்துகள் வழங்குபவர்
281. सत्यार्थप्रेरकः — சத்திய ப்ரயோஜனமுடைய காரியங்களை ஊக்குவிப்பவர்

282. समः — (அனைத்தையும்) ஸமமாக பார்ப்பவர்
283. ईक्षिता — (அனைத்தையும்) கவனித்துக்கொண்டிருப்பவர்
284. सच्चिदानन्दस्वरूपः — சத்சித் ஆனந்த வடிவானவர்
285. सदसत्परः — ஸத் அஸத் (இரண்டையும் பிரிப்பதில்) முனைந்தவர்
286. सत्यरूपः — சத்தியமே வடிவானவர்
287. सत्यसंश्रुः — சத்தியத்தில் நன்கு நிலைத்தவர்
288. नगेशः — (சிவனார் வடிவில்) மலைக்கு ஈசன்
289. छात्रमानितः — மாணவர்களால் கொண்டாடப்படுபவர்
290. नारदादिनूतः — நாரதர் முதலியவரால் மிகவும் போற்றப்பட்டவர்
291. नक्षः — (பகவானை) வணங்கும் சுபாவமுடையவர்
292. नारीनरनवाकृतिः — பெண்களோ ஆண்களோ (கண்டிராத) அபூர்வ வடிவினர்
293. व्यासजैमिनिवाग्वादी — வியாசர் ஜைமினி ஆகியோருடன் வாதம் புரிந்தவர்
294. शारदाविजयी — சாரதையை வென்றவர்
295. शमी — அடக்கம் கொண்டவர்
296. सुरेश्वराचार्यदत्तश्चाश्रमः — ஸுரேஸ்வராசார்யருக்கு தனக்கு (நிகரான ஸந்ந்யாஸ) ஆஸ்ரமத்தை கொடுத்தவர்
297. सूरिकेसरी — சிந்தனையாளர்களில் சிம்மம்
298. अक्षितादिब्रातृकृत्यदूरवैदिकवर्चकृत् — (சூட்டினால்) முத்திரைகள் தரித்துக்கொள்வது போன்ற சாஸ்த்ரம் தடுத்த செயல்கள் அறவே அற்ற வைதிகமாக பாதையை அமைத்தவர்
299. कूकूलानलकूटश्चकुमारिनकृतानतिः — உமித்தீக்கூட்டத்தின் இடையே இருந்த குமாரில் (பட்டரால்) வணங்கப்பட்டவர்
300. कूतर्ककर्कशश्चाभूत्कुलिशः — கடினமான மலைகள் போன்ற துஷ்ட வாதங்களை (அழிக்கும்) வஜ்ராயுதமானவர்
301. कविकेसरी — கவி இயற்றுவதில் சிம்மம்

302. कूबादिमदमन्त्रेभ्यः — மதம் பிடித்த யானைகள் போன்ற துர்வாதிகளை (வீழ்த்தும்) சிங்கம் போன்றவர்
303. कलिनाशनः — கலியை நாசம் செய்பவர்
304. योगरोगहरः — யோகத்தால் நோயை நீக்கியவர்
305. साङ्ग्यसङ्ग्यावान् — ஞான (பாதையை) திரிபற அறிந்தவர்
306. अमितद्युतिः — அளவற்ற பொலிவுடையவர்
307. जितजैनप्रतिष्ठसुसुनोष्ठाटनामनुः — ஜைனர்களின் இடைஞ்சல்கள் மற்றும் ஸ்தம்பன உச்சாடனங்களுக்கான மந்த்ரங்களை முறியடித்தவர்
308. वैशेषिकविशेषोक्तिविशेषविचक्षणः — வைசேஷிகர்களின் முக்கியமான கூற்றுகள் வறண்டுபோகும்படி செய்வதில் நிபுணர்
309. निरसुद्धैतिमूर्धन्यशैवभागवतागमः — தலையாய த்வைதிகளாகிய சைவர்கள் மற்றும் பாகவத மதத்தவர்களின் ஸாஸ்த்ரத்தை நிராகரித்தவர்
310. काशीनगरनिर्मात्रराजसेननृपार्तिः — காஞ்சீபுர நகரத்தை (ஆசார்யாளின் ஆஜ்ஞைப்படி மீண்டும்) நிர்மாணம் செய்துகொடுத்த ராஜஸேனன் என்ற அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர்
311. वरदालयनिर्माता — (ராஜஸேனன் மூலம்) வரதர் ஆலயத்தை (புனர்)நிர்மாணித்தவர்
312. एकाग्रनाथपदोद्धारः — ஏகாம்ரநாதரின் இருப்பிடத்தை (ஜீர்ண) உத்தாரணம் செய்(வித்)தவர்
313. गुहासूचित्कलाचाप्यखण्डनः — (காமாக்கி மூலஸ்தானமாகிய பிலாகாச) குஹையில் இருந்த ஜீவகலையின் உக்ரத்தை நீக்கியவர்
314. कालखण्डनः — (சிவனார் வடிவில்) காலனையே கண்டித்தவர்
315. कामकोष्ठधराक्षीडः — காமகோஷ்டம் (என்ற புண்ய) பூமியை தன் விளையாட்டு இடமாக கொண்டவர்
316. कामकोटिपदाश्रयः — (காமாக்கியாம்) காமகோடியின் பாதங்களை ஆம்ரயித்தவர்
317. कामाक्षीवरिवस्याकृत् — காமாக்கிக்கு (பலவித) சேவைகளை செய்தவர்
318. कालहस्तीश्वरार्चनः — காலஹஸ்தீஸ்வரரை பூஜித்தவர்



319. कृणुसोपानसूत्रापशेषाचलशिरःपदः — மேஷாசலத்தின் உச்சியை எளிதில் அடைய அனுகூலமான படிக்கட்டை அமைக்கச்செய்தவர்
320. दिव्यः — தெய்வீகமானவர்
321. दीव्यद्भुतवर्चसे नमः — தெய்வீக பிரம்ம வர்சஸ் உடையவர்
322. दीनरक्षी — தீனர்களை காப்பவர்
323. दरापहः — அல்பத்தனத்தை நீக்குபவர்
324. देवदेवः — தேவர்களுக்கும் தேவர்
325. दीनबन्धुः — தீனர்களுக்கு உறவினர்
326. दयितः — அன்பிற்குரியவர்
327. दीनदैन्यहृत् — தீனர்களின் தீனத்தன்மையைப் போக்குபவர்
328. दोषदूरः — தோஷங்களிலிருந்து தூரத்திலிருப்பவர்
329. दूष्टरिपुः — துஷ்டர்களுக்கு எதிரி
330. दुर्वासःश्लाघितः — துர்வாசரால் சிலாகிக்கப்பட்டவர்
331. अदरः — அல்பத்தனம் இல்லாதவர்
332. द्रविणादेषणात्यागी — பொருள் முதலியவற்றில் ஆசையை விட்டவர்
333. दोषञ्जः — குற்றங்களை (விலக்குவதற்காக அவற்றை) அறிந்தவர்
334. दूरदर्शनः — தொலைவில் உள்ளவற்றை காண்பவர்
335. दीर्घदर्शी — (வருங்காலத்தை) வெகுமுன்பே பார்க்கவல்லவர்
336. दौःस्थ्यदूरः — மோசமான நிலையை அகற்றுபவர்
337. दारिद्र्यदमनः — ஏழ்மையை கட்டுப்படுத்துபவர்
338. दयी — தயை உடையவர்
339. दलिताशेषधीदोषः — புத்தியில் உள்ள குறைகளை மிச்சமில்லாமல் சிதைப்பவர்
340. विभृताद्भैतवैभवः — அத்வைதத்தின் வைபவத்தை விஸ்தாரம் செய்தவர்
341. ऋषाटनक्रमब्राह्मकृतस्नभारतमङ्गलः — ஷேத்ராடன முறைப்படி முழு பாரத மண்டலத்தையும் சுற்றியவர்



342. कैलाससेवी — கைலாசத்தை சேவித்தவர்
343. बदरीनारायणपदाश्रयः — பத்ரிநாராயணரின் பாதங்களை ஆசிரயித்தவர்
344. कामरूपार्चनः — காமரூபம் (அஸ்ஸாமில் உள்ள தேவியை) அர்ச்சித்தவர்
345. अकामः — காமம் இல்லாதவர்
346. काशीरेश्वरसेवकः — காச்மீரத்தில் ஈசனுக்கு சேவை செய்தவர்
347. अवन्तीद्वारकायोध्यामायाकाशीमहीप्रियः — அவந்தீ த்வாரகா அயோத்யா மாயா காஞ்சீ ஆகிய கேஷத்ரங்களை விரும்பியவர்
348. कालीघट्टहरिद्वारजम्बूदेवीप्रयागगः — காளிகட்டம், ஹரித்வார், ஜம்பு (ஜம்மு) தேவி, பிரயாகை ஆகியவற்றுக்குச் சென்றவர்
349. श्रीशैलेशजगन्नाथपुरुषोत्तमभीमगः — ஸ்ரீசைல ஈசன், ஜகந்நாதம், புருஷோத்தமம், பீம் (சங்கர கேஷத்ரங்களுக்கு) சென்றவர்
350. त्र्यम्बकोज्जयिनीविष्णुवासिनीसेवनापरः — த்ர்யம்பகம், உஜ்ஜயினி, விந்த்யவாசினி (கேஷத்ர தெய்வங்களை) ஆர்வத்துடன் வணங்கியவர்
351. सेतुकन्याकुमारीगः — சேது, கன்யாகுமரி (கேஷத்ரங்களுக்கு) சென்றவர்
352. जनार्दनजनार्तिह — ஜனார்த்தன (கேஷத்ரத்தில் இருந்த) ஜனங்களின் கஷ்டத்தைத் தொலைத்தவர்
353. अनन्तपुरवैयाघ्रव्याचलपदाश्रयः — திருவநந்தபுரம், வ்யாக்ர (கேஷத்ரம்) மற்றும் திருச்சூரை நாடியவர்
354. कालटीकलभः — காலடியில் (பிறந்த ஞான புஷ்டியுடன் கூடிய) யானைக்குட்டி
355. कल्यः — (காரியங்கள் செய்வதில்) திறமிகுந்தவர்/முனைந்தவர்
356. सरःशरवारीचरः — குளங்கள், (அவற்றின் கரைகளில் அடர்ந்திருக்கும்) புல்லுகள், நீர்வீழ்ச்சிகள் (இடையே) ஸஞ்சரித்தவர்
357. कृत्स्नकर्णोत्पाण्याक्षचरचोलमहीचरः — கர்ணாடகம், ஆந்த்ரம், பாண்டியம், சேரம் மற்றும் சோழ நாடுகள் அனைத்திலும் ஸஞ்சரித்தவர்

358. श्रीनीपतिस्त्रन्यथोदहायाश्चेतवनाश्रयः — विल्ववनम् (वैकाश्रयः), नीपवनम् (आलवाम्), तिल्लवनम् (सितम्बरम्), आलङ्कुट, सायान्वनम् (सायङ्काट), वेङ्कटा (आकियवन्तः) नाडियवर्
359. मान्यश्रीरङ्गमधुरार्जुनशायिपूराश्रयः — मतिक्कप्पेणुम् श्रीरङ्गम्, मत्तुरै, मरुतुर्, विल्लिपुत्तुरै नाडियवर्
360. अथिलाङ्गेश्वरीरत्नताटङ्गन्यस्त्यञ्जराट् — अकिलाण्डेस्वरिक्कु रत्न तालङ्कमाक यन्तिर राजमाकिय (श्रीसक्कुरत्तै) अणिवित्तवर्
361. काशीङ्गहासदन्यस्त्यञ्जराजपरिसुरः — काङ्गु (क्षेत्र पिलाकासमाकिय) कुण्णैयै मृदुम्पडि (श्रीसक्कुर राजत्तै मृदुयाक वैत्तवर्
362. भूम्यङ्गैजोनिलाकाशलिङ्गसेवाधृतादरः — भूमि, जलम्, तैजस्, काण्ड, आकाशम् (आकिय पङ्कष भूत क्षेत्रङ्गङ्गानां काङ्गु, तिरुवाणैक्का, तिरुवण्णामलै, काण्डास्ति, सितम्बरम् इङ्गुल्ल) लिङ्गङ्गङ्गै लैवित्तवर्
363. सत्यव्रतस्त्रिभुवानी — सत्यव्रतम् (एणप्पडुम् काङ्गु) क्षेत्ररत्तिल् वसित्तवर्
364. कामकोटिमठास्पदः — कामकोटि मडत्तै निलेप्पिडमाक कोण्डवर्
365. चिदम्बरसभान्यस्त्यमोक्षलिङ्गः — सितम्बर सपेयिल् मोक्ष लिङ्गत्तै वैत्तवर्
366. अलिङ्गकः — (प्रहम् स्वरुपमाक) तनिप्पड्ड अडैयान्णम् इल्लतवर्
367. शशङ्गश्रमन्यस्त्यभोगलिङ्गः — रुष्यसिरुङ्कर् आस्रमत्तिल् पोक लिङ्गत्तै वैत्तवर्
368. शतश्री — (उल्लेङ्गम् परवियिरुक्कुम् सत्यत्तै अरिवतर्कान्) रुतम्बरा (प्रहम् एणप्पडुम् ञ्णानत्तै) कोण्डवर्
369. शारदामान्यसन्देशः — सारतैयाल् मतिक्कप्पड्ड (श्री भूमियिल् आङ्गङ्गु इरुन्तु मक्कङ्गुक्कु अरुण वैण्डुम् एण्ण) वैण्डुकोणै विदित्तवर्
370. सर्वज्ञः — एल्लाम् अरिन्तवर्
371. सर्वपापनुत् — एल्ला पापङ्गङ्गै न्निक्कुपवर्

- 59

386. आनन्दमयजानन्दिवाग्जयख्यातवाक्यपदः — ஆநந்தமய (அதிகாரண தெளிவாக்கத்தால் லௌகிக) ஆநந்தமே ப்ரஹ்மம் (என்று சொல்பவர்களை) ஜயித்து புகழ்பெற்ற சொல்லாண்மையை உடையவர்
387. योगेश्वरार्चानिरतः — யோகேஸ்வரரை ஆராதிப்பதில் முனைந்தவர்
388. योग्यः — யோக்யதை உடையவர்
389. योगविदां वरः — யோகம் அறிந்தவர்களில் சிறந்தவர்
390. सुस्थितः — செளக்கியமாக இருப்பவர்
391. सुस्थिरः — அசைக்க முடியாதவர்
392. स्थिरः — மென்மையானவர்
393. स्थिरः — அழியாதவர்
394. स्थिरः — உறுதித்தன்மையே (வடிவமானவர்)
395. स्थितिप्रदः — (தன் சுய) நிலையில் (உறுதியாக நிற்கும் தன்மையை) அருள்பவர்
396. सत्यव्रतपदप्राप्तुर्मीभावः — (அவதார இறுதியில்) ஸத்யவ்ரதம் (எனப்படும் காஞ்சீ) க்ஷேத்ரத்தில் ப்ரஹ்மத்தில் ஒன்றியவர்
397. अशरीरवान् — உடலற்றவர் (உடலில் அபிமானம் அற்றவர்)
398. दुष्टरापासंसारपारतारणकुञ्जः — தாண்டுவதற்கரியதான எல்லையற்ற(தாகத் தோன்றும்) ஸம்ஸாரத்தின் எல்லைக்கு சேர்ப்பிக்கும் படகானவர்
399. कुञ्जारेवर्गसंशान्तस्वान्तलक्ष्यवैभवः — (காமம் க்ரோதம் முதலிய) எதிரிக்கூட்டங்களை அறுத்ததால் சாந்தமடைந்த மனதினால் (ப்ரஹ்ம ஸ்வரூபமாகிய) தன் பெருமையை அறியக்கூடியவர்
400. अनातुरः — சோர்வில்லாதவர்
401. अतुलितः — ஒப்பிட முடியாதவர்
402. सद्बुद्धः — நன்னடத்தை உடையவர்
403. साधुदर्शनः — தரிசனம் செய்ய உகந்தவர்

404. षडदशनीपारदृशा — (ந்யாயம் முதலிய) ஆறு தரிசனங்கள் (என்ற சாஸ்த்ரங்களில்) கரைகண்டவர்
405. षडध्वातीतमानसः — (வர்ணம் பதம் முதலியதாக உபாஸனா ஸாஸ்த்ரங்களில் சொல்லப்படும்) ஆறு பாதைகளையும் கடந்த (ப்ரஹ்மத்தில் ஒன்றிய) மனதை உடையவர்
406. अदोषः — குற்றமில்லாதவர்
407. दूर्जयः — வெல்ல இயலாதவர்
408. अदूनः — தாபப்படாதவர்
409. दुर्धर्षः — மிரளச்செய்யவியலாதவர்
410. अपुनर्भवः — மீண்டும் பிறவாதவர்
411. शुद्धः — சுத்தமானவர்
412. बद्धः — தன் சொருபத்தை அறிந்தவர்
413. प्रबुद्धात्मा — விழிப்படைந்த ஆத்மாவானவர்
414. सिद्धः — (பிறவி) பயன்பெற்றவர்
415. प्रेक्षः — பலமான (ஞான) ப்ரகாசமுடையவர்
416. समुद्धरः — ஆபத்துகளில் இருந்து மீட்டெடுப்பவர்
417. समिद्धः — (சம தமாதி குணங்களால் ஞானத்தீ) நன்கு ஒளிரப்பெற்றவர்
418. प्रतिभाविद्धः — (சமயோசித புதிய யோசனைகள் வரக்கூடிய) அறிவுக்கூர்மை நிறைந்தவர்
419. सारङ्गः — சாரத்தை அறிந்தவர்
420. सर्वशान्तिवित् — எல்லா சாஸ்த்ரங்களையும் அறிந்தவர்
421. सुधास्वादुवचाः — அமுதமனைய இனிய மொழியினர்
422. सूक्ष्ममतिः — சூக்கும அறிவுள்ளவர்
423. मोहतमोरविः — மோகமென்னும் இருளுக்கு சூரியன் போன்றவர்
424. महायशः — பெரும் புகழ்கொண்டவர்
425. महाशीलः — பெரும் ஒழுக்கத்தை கொண்டவர்

426. महौजाः — பெரும் காரியத்திறன் பெற்றவர்
427. महामुनिः — பெரும் முனிவர்
428. महनीयः — மதிக்கத்தக்கவர்
429. महासत्त्वः — பெரும் (ஆத்ம) பலத்தை கொண்டவர்
430. माननाईः — மரியாதைக்கு உரியவர்
431. महाबिम्बित् — பெரும்பொருளை அறிந்தவர்
432. मायातद्बिम्बित् — மாயா தத்துவத்தை அறிந்தவர்
433. अव्यथः — பதட்டமில்லாதவர்
434. महीमङ्गलपण्डितः — பூ மண்டலத்தில் (தலைசிறந்த) பண்டிதர்
435. मातृकृत्यासाह्यकर्मशङ्करेणभूसुरः — தாயாரின் க்ருத்யத்திற்கு ஒத்தாசை செய்யாத கேரள ப்ராஹ்மணர்களுக்கு சாபம் அளித்தவர்
436. यथाप्रतिश्रवाटीर्णस्मृतमातृप्रतिश्रुतिः — நினைத்தவுடன் (வருவேன் என்ற) தாயிடம் செய்த ப்ரதிஜ்ஞையை சொல்லியவண்ணம் செய்தவர்
437. रवीन्दूक् — (சிவனார் வடிவில்) ஸூர்யனையும் சந்த்ரனையும் கண்களாகக் கொண்டவர்
438. दोर्महोखाग्निसन्दीपिताश्रिकः — தோளைக் கடைந்ததால் உருவான அக்னியால் தாய்க்கு தீயளித்தவர்
439. रसञ्जः — ரஸமான (பரம்பொருளை) அறிந்தவர்
440. रसितान्नायः — வேத ஸாஸ்த்ரங்களின் சுவையை அறிந்தவர்
441. रागद्वेषहरः — ஆசை துவேஷம் ஆகியவற்றை நீக்குபவர்
442. महत् — மகத்தானவர்
443. राजयोगी — ராஜ யோகி
444. आपुकामः — விரும்பியதை அடைந்தவர்
445. निराशः — ஆசைகள் இல்லாதவர்
446. मातृवत्सलः — அன்னை போன்ற அன்புடையவர்



447. कामतन्त्रकलापुर्थकायास्तुरनिवेशनः — काम ஸாஸ்த்ர கலையை அறிய (ஒரு இறந்த அரசனின் சரீரத்தில்) பரகாய ப்ரவேசம் செய்தவர்
448. काव्यरत्नविनिर्माणलघोदात्तकविप्रथः — (அவ்வடிவில்) சிறந்த காவ்யத்தை நிர்மாணித்ததால் உயர்ந்த கவி என்ற புகழைப் பெற்றவர்
449. माधुर्यधुर्यकृतिः — இனிமையில் முன்னிற்கும் சொற்களைக் கொண்டவர்
450. मधुराधीशमनितः — மதுரையை (ஆண்ட) அரசனால் மதிக்கப்பட்டவர்
451. ज्योतिःपुरेशविनूतः — ஜ்யோதிபுரத்தின் அரசனால் வணங்கப்பட்டவர்
452. पारेजयपुरस्थितिः — ஜயபுரத்துக்கு அப்பாலும் வசித்தவர்
453. विरूपाम्बुश्लासेवी — விருபாக்ஷ தலத்தில் நெடிது தங்கியவர்
454. विजयाख्यपूरीचरः — விஜயபுரத்திற்கு (விஜயம்) செய்தவர்
455. विदिशादेशविहतिः — விதிஸா தேசத்தில் மகிழ்ந்திருந்தவர்
456. विश्वनाथपदप्रियः — விஸ்வநாதபுரியான (காசியை) விரும்பியவர்
457. पाटलीपुत्रसंस्थानः — பாடலிபுத்திரத்தில் தங்கியவர்
458. विष्णुपादप्रसेवनः — (கயா) விஷ்ணுபாதத்தை நன்கு சேவித்தவர்
459. गयावटद्रुमूलस्थः — கயாவில் ஆலமரத்தடியில் தங்கியவர்
460. भद्राचलनिरुद्धीः — பத்ராசலத்தில் ஆழ்ந்த அபிமானமுள்ளவர்
461. वृन्दावनानुसङ्गारी — பிருந்தாவன பகுதியில் சஞ்சரித்தவர்
462. व्यासाचलबिलाश्रयः — வ்யாஸாசல குகையையும் அண்டியவர்
463. ओङ्कारकुण्डविहतिः — ஓங்கார குண்டத்தில் மகிழ்ந்திருந்தவர்
464. मल्लिकार्जुनमण्डीः — மல்லிகார்ஜுனத்தில் ஆழ்ந்துள்ள மனத்தினர்
465. श्रीपद्मनदपद्मास्यशिष्यगुनिषेवितः — திருவையாற்றில் சிவபெருமானின் அடியார்கள் குழுவினால் வணங்கப்பட்டவர்
466. अहोबिलगुहारामः — அஹோபில குகையில் ஓய்வெடுத்தவர்
467. कमलाक्षः — தாமரைக்கண்ணர்
468. कलानिधिः — கலைகளுக்கு இருப்பிடமானவர்

469. कलिध्वंसी — कलिये त्रुवम्सम् सेय्पवर्
470. कामरूपः — तन्निश्चैसयिल् उरुवै म्पन्निक्कொள்ளक्कुடியवर्
471. कामचारः — विरुम्पिय इडत्तिर्कु सेल्लवल्लवर्
472. कलामयः — कलैकलै वडिवमानवर्
473. परमेष्ठी — परम्पொरुளில் நிலைத்தவர்
474. वशप्राणः — ப்ராணனை வசப்படுத்தியவர்
475. कामाक्षीसेवनोत्सुकः — காமாக்ஷியை சேவிக்க விரும்பியவர்
476. प्राणदः — உயிர் அளிப்பவர்
477. प्रणयी — அன்பிற்குரியவர்
478. पूष्टः — வலுவானவர்
479. सर्वतन्त्रस्वतन्त्रधीः — எல்லா சாஸ்த்ரங்களிலும் ஸ்வதந்த்ரமாக ஸஞ்சரிக்கவல்ல புத்தியைக் கொண்டவர்
480. स्वतन्त्रात्मा — ஆத்ம தளைகளற்றவர்
481. नास्तिकान्तकृत् — நாஸ்திகர்களுக்கு முடிவுகட்டியவர்
482. प्रधीः — மிக்க புத்திமான்
483. आसनाध्ववित् — (யோக) ஆஸன மார்க்கத்தை அறிந்தவர்
484. दक्षपणकोत्सेधः — ஜைனர்களின் அத்துமீறல்களை பொசுக்கியவர்
485. दक्षिण्यनिधिः — பெருந்தன்மைக்கு இருப்பிடமானவர்
486. अक्षतः — பாதிக்கப்படாதவர்
487. दक्षः — சாமர்த்தியமானவர்
488. दक्षिणदिशिद्वः — தென் திசையிலிருந்து (வந்த) ஸித்தர்
489. कालत्रयवित् — முக்காலமும் அறிந்தவர்
490. आस्तिकः — இறை நம்பிக்கையாளர்
491. आदेशी — கட்டளை பிறப்பிப்பவர்
492. अपौरुषः — சாதரண மனிதனினும் அதிக சக்தி உடையவர்



493. ध्वस्तकापालिकमतक्रमः — कापालिक मत வழிமுறைகளை த்வம்ஸம் செய்தவர்
494. कामिनीविमुखः — (லௌகிக) ஆசைகளில் ஈடுபட்ட பெண்களிடம் பாராமுகமானவர்
495. काम्यः — நண்பனாக கருத்தத்தக்கவர்
496. कर्मत्यक् — கர்மானுஷ்டானங்களின் பலனை எதிர்பாராதவர்
497. कर्मणः — கர்மானுஷ்டானங்களுக்கு ஹிதமானவர்
498. कृती — செய்யவேண்டியவற்றை செய்துவிட்டவர்
499. कल्याणगुणशीलः — கல்யாண குணங்களை உடையவர்
500. क्रियामुक्तः — செயல்களிலிருந்து விடுபட்டவர்
501. कृपाघनः — கிருபையால் நிறைந்தவர்
502. कीर्तिमान् — புகழுடையவர்
503. कृतयोगेशपूजात्रातजगज्जनः — யோக லிங்க பூஜையை செய்தமையால் உலக மக்களைக் காத்தவர்
504. धम्मिल्लपुरराज्यश्रीबालार्चननृपाርितः — தம்மில்லபுரம் என்ற ராஜ்யத்தில் பாலா (த்ரிபுரஸுந்தரியை) அர்ச்சிக்கும் அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர் (?)
505. वेदान्तभास्करः — வேதாந்தத்தில் சூரியன் போன்றவர்
506. ज्ञानचन्द्रः — ஞானத்தில் சந்திரன் போன்றவர்
507. ऐश्वर्यवारिधिः — சகல ஐஸ்வர்யங்களையும் பொழிபவர்
508. नेपालदेशभूपालवृषदेवोपदेशकृत् — நேபாள தேச அரசனான வருஷ தேவனுக்கு உபதேசித்தவர்
509. कैलासकूटसङ्क्षुपशुपत्यर्चनाविधिः — கைலாஸ பர்வதத்தில் சிவனை பூஜிக்கும் வழிமுறை வகுத்தவர்
510. सौगतब्रातनिकासपटुः — புத்தமதக்கூட்டத்தை நீக்குவதில் திறம்பெற்றவர்
511. वैराग्यबोधकः — வைராக்யத்தை போதிப்பவர்
512. सूक्ष्मिणिः — அறிவாளிகளுக்குள் மணி போன்றவர்

513. दिव्यदशी — தெய்வீக (ஞான) த்ருஷ்டி உடையவர்
514. देवदैन्यहत् — (பூமியில் அதர்மம் பெருகியதால் ஏற்பட்ட) தேவர்களின் வருத்தத்தை அகற்றியவர்
515. अलमः — குழப்பம் இல்லாதவர்
516. प्रसन्नकमलादनुदरिद्रर्शनीनिधिः — ப்ரஸன்னமடைந்த லக்ஷ்மியால் ஏழை அந்தணப்பெண்ணுக்கு செல்வம் கொடுப்பித்தவர்
517. समुल्लूकुसुमप्रख्यमन्दमन्दस्मिताक्षुरः — முழுதும் மலர்ந்த பூவனைய மெல்லிய அரும்பு போன்ற புன்முறுவலை உடையவர்
518. चिन्नुद्रापरिधूतान्तेवासिपुष्पवसंशयः — சிந்முத்ரையாலேயே தலைசிறந்த சீடர்களின் சந்தேகங்களை விரட்டியவர்
519. हरिहारिवचोहासभस्मसात्कृतभैरवः — (நரஸிம்ஹரின் மனமுவக்கும் வாக்கின்படி) சிங்கத்தில் பயங்கர குரலாகிய அட்டஹாஸத்தால் பஸ்மமாகிய காபாலிகனுக்கு (உடலைக்கொடுக்க முன்வந்தவர்)
520. समाश्रितसुधयातृपादुकानित्यपूजनः — தன்னை அண்டிய ஸுதன்வா (என்ற அரசனால்) தமது பாதுகைகளுக்கு நித்ய பூஜை செய்யப்பெற்றவர்
521. नमःशेषी — நமஸ்காரங்களையெல்லாம் பெறத்தகுந்தவர்
522. नामपरः — (பகவானின்) நாமங்களை முக்கியமாகக் கொண்டவர்
523. नन्दिताशेषविष्टपः — தேவ லோகம் முழுவதும் மகிழுற வைத்தவர்
524. एकदंष्ट्री — ஒரு தண்டம் உடைய (ஸந்ந்யாஸ ஸம்ப்ரதாயத்தைச்) சேர்ந்தவர்
525. कषायी — கஷாயம் தரித்தவர்
526. मूर्छी — (தலையை) முண்டனம் செய்து கொண்டவர்
527. खण्डितसौगतः — பௌத்தத்தை கண்டித்தவர்
528. दिग्वरादिदुःसिद्धसिद्धान्तविनिर्बन्धः — சித்தர்கள் என்று (தம்மைத்தாமே சொல்லிக்கொள்ளும்) திகம்பரர்களின் சித்தாந்தங்களை நசுக்கியவர்
529. मल्लिकाश्वेतदशनः — மல்லிகைகளைப் போன்ற வெண்ணிற பற்களை உடையவர்

530. महिलादूरमानसः — பெண்களின் நினைப்பிலிருந்து மிகவும் விலகியவர்
531. कामारिमूर्तिः — காமத்தின் எதிரி வடிவானவர்
532. कूटूकी — ஆநந்தமும் உதஸாஹமும் கொண்டவர்
533. कमनीयगुणकरः — விரும்பத்தக்க குணங்கள் இருக்கும் சுரங்கம் போன்றவர்
534. सोमोदुवातटीकृणुसौम्यगोविन्दसेवनः — (சந்த்ரனிலிருந்து உருவான) நர்மதா நதிக்கரையில் ப்ரஸந்நமான கோவிந்த (பகவத்பாதருக்கு) ஸேவை செய்தவர்
535. मालिकाप्रियचालुक्यराजपूजितविग्रहः — மாலிகாப்ரியன் என்ற சாளுக்ய அரசனால் (கனகாபிஷேகாதிகளால்?) உடல் முழுதும் பூஜிக்கப்பட்டவர்
536. अत्याश्रमवरिष्ठः — (நான்கு) ஆச்ரமங்களை தாண்டிய நிலையை அடைந்தவர்களில் தலைசிறந்தவர்
537. श्रीः — (ஞானமாகிய நீங்காத) செல்வமாக (தாமே ஆனவர்)
538. श्रितकल्लद्रुमः — அண்டியவர்களுக்கு கற்பக வருக்ஷமானவர்
539. अश्रमः — களைப்பற்றவர்
540. मरुद्धाजलम्बायी — காற்றினால் தூண்டப்பட்ட (அலைகள் கொண்ட நதிகளில்) ஸ்நானம் செய்தவர்
541. घटोदुवसुदर्शनः — (காலடியில்) கும்பமுனியை தரிசித்தவர்
542. स्वयंविनम्रस्फात्रशाखार्पितफलाशनः — தாமாகவே குனிந்து மரங்களின் நுனிக்கிளைகள் அர்ப்பணித்த பழங்களை உண்டவர்
543. वर्षद्रलाहकोन्मुक्तनीरासाराधवमध्यगः — பொழியும் மேகங்கள் கொட்டும் நீர்ப்பெருக்குடன் (கூடிய) பாதைகளில் (பாதிப்பின்றி) செல்பவர்
544. समुज्ज्वलदवज्वालादव्वीथीवनाशयः — கொழுந்துவிட்டெரியும் காட்டுத்தீ (விலகி) அளித்த பாதையால் காட்டை அடைந்தவர்
545. शरारुग्गनिर्वूटसरणीयसूतिक्रमः — ஹிம்ஸிக்கக்கூடிய மிருகங்கள் (தாமே) விலகியளித்த செல்லவேண்டிய பாதைகளில் ஸஞ்சரித்தவர்

546. सदानुकूलपवनः — காற்றினால் எப்போதும் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
547. वसिष्ठः — (நீங்காத) செல்வம் உடையவர்களில் சிறந்தவர்
548. वाग्यतः — மௌனமாக இருப்பவர்
549. वरः — சிறந்தவர்
550. समीभवत्समूत्पातः — (செல்லும் பாதையில் அந்தந்த ஊர்மக்களின் வினையால் ஏற்பட்ட) அஸுப அடையாளங்கள் தாமே அடங்கப்பெற்றவர்
551. पांसूनुक्तपथांतरः — தூசிகளற்ற (சுத்தமான) பாதைகளில் சென்றவர்
552. तूषारशीकरस्पृष्टेक्षिष्टेपिष्टादनक्रियः — பனி (அல்லது நதி/மழை நீர்) தெறித்துபட்டதனால் மிருதுவான (சத்து) மாவை (மட்டும்) சாப்பிடுவதை வழக்கமாகக் கொண்டவர்
553. मकरन्दवरीमान्यमधुरोक्तिः — மகரந்தத் (தேன்) வழிவது போல் மதிக்கத்தக்க இனிமையான சொற்கள் கொண்டவர்
554. महाकविः — பெரும் புலவர்
555. कमण्डूदरकोडीकृतकल्लोलिनीवरः — அலைபுரளும் (நர்மதா) நீர்ப்பிரவாஹத்தை கமண்டலுவுக்குள்ளே அடக்கியவர்
556. अमृष्टभस्मक्लिन्नांशुकान्तनीरचरस्थितिः — (நீரில் இறங்கியும்) அழியாத திருநீறும் நனைந்த வஸ்தரத்தின் நுனிப்பகுதியில் மீன்களும் கூடியவர்
557. बेलाधामवृन्दसुार्धिः — எல்லைக் கரையில் ஸமுத்ரத்தை விரட்டியவர் (கதை தேட வேண்டும்)
558. मृतसंजीवनेक्षणः — இறந்தவர்களை உயிர்ப்பிக்கவல்ல பார்வையை உடையவர் (கோகர்ணத்தில் அவ்வாறு ஆசார்யாள் செய்ததாக சரித்ரம்)
559. महाव्याधिप्रशमनः — பெரும் வியாதிகளை குணமாக்குபவர்
560. मदघ्नः — செருக்கை அழிப்பவர்
561. मृगवश्याकृत् — மிருகங்களை தன்வசம் கொண்டவர்
562. जडकुर्जादिसंश्रायी — ஜடம் கூன் உடையவர் முதலியோரிடமும் (கருணையுடன்) ஸம்பாஷித்தவர் (ஹஸ்தாமலகர் ஜடம் போல் காட்சியளித்தவர்)

563. लतापुष्पकृतार्चनः — கொடிகளிலிருந்து (தானாக உதிர்ந்த) பூக்களால் அர்ச்சனை செய்தவர்
564. सौवस्तिकक्रोष्ट्वैरुन्दः — (காட்டுப்பகுதிகளில் ஸஞ்சரிக்கையில்) ஓநாய்க்கூட்டங்கள் முன்செல்லப்பெற்றவர்
565. सौखसुप्तिककौशिकः — (இரவில்) உறங்கவில்லையா என்று ஆந்தைகளால் கேட்கப்பெற்றவர்
566. सौप्राभाविककाकोलः — (காலையில்) காக்கைகளால் ஸுப்ரபாதம் பாடப்பெற்றவர்
567. सौखासनिकपन्नगः — (பாறைகள் முதலியவற்றிலிருந்து விலகி) சௌகரியமாக அமர ஸர்ப்பங்களால் ஆஸனம் அளிக்கப்பட்டவர்
568. सौखगायनकुट्टेकः — (மழைக்காலத்தில்) இனிய பாடகர்களின் கோஷ்டியை உருவாக்கும் தவளைகளால் (உபசரிக்கப்பட்டவர்)
569. सौवातिथ्यकपुष्पलिट् — தேனீக்களால் (தேனாகிய மதுபர்க்கம் அளித்து) அதிதி உபசாரம் செய்யப்பட்டவர்
570. सौवागतिकशार्दूलः — புலிகளால் வரவேற்பு சொல்லப்பெற்றவர்
571. सौखोन्मृष्टिकवृश्चिकः — (பாறை முதலியவற்றிலிருந்து எழுந்துகொள்ளும்போது அப்பால் சென்று விழுவதால்) தேள்களால் சரியாக உதறிக்கொண்டீரா என்று நிம்சயம் செய்விக்கப்பட்டவர்
572. सौस्नातिकप्रश्रवणः — நீர்வீழ்ச்சிகளில் நன்கு நீராடியவர்
573. सौवभ्यञ्जनिकाश्रुदः — மேகங்களால் எண்ணெய் தேய்த்துக்கொள்வது போல் (உடலைப் பளபளக்கவைக்கும் மழை) பொழிவிக்கப்பட்டவர்
574. सौवीजितिकवातूलः — பெருங்காற்றுகளால் நன்று விசிறிவிடப்பட்டவர்
575. सौवनातपिकद्रुमः — மரங்களால் வெயிலிலிருந்து நன்கு பார்த்துக்கொள்ளப்பட்டவர்
576. सौवासितिकपञ्चास्यः — ஸிம்ஹங்களைப் போல் (கம்பீரமாக) அமர்பவர்
577. सौवक्त्रसिकवाहसः — மலைப்பாம்புகளைப் போல் (ஒரு முறை) போதுமான அளவு உண்டு (வெகு காலம் த்ருப்தியுடன்) இருப்பவர்

578. சௌவிக்ஸிகமதேவ: — மதம்பிடித்த யானைகளானைய அழகிய புன்முறுவல் உடையவர்
579. சௌவயூஷிதகூடகூ: — குறைகளில் ஸுகமாக தங்கியவர்
580. சௌபஸ்திதககாஸ்தா: — (ஆங்காங்கு) எளிதில் கிளம்பி போவதற்கு பெருங்காட்டினால் (நல்ல பாதை அளிக்கப்பட்டவர்)
581. சௌசாகுனிகமௌகல: — காக்கைகளால் சுப சகுனமாக கரையப்பெற்றவர்
582. சௌவாபீதிகவெஸந்த: — குளங்களில் தருப்தியாக நீர் பருகியவர்
583. சௌஜங்கிகஃலேஹி: — பழுத்த மரங்களினால் நன்கு உண்டவர்
584. சௌவிலிப்திகபூபூலி: — பூமி தூசி (உடல்முழுதும் சந்தனம்போல்) நன்கு பூசப்பெற்றவர்
585. சௌவஸ்தகபடத்சர: — கந்தராதையை உயர்ந்த வஸ்தரம் போல் தரிப்பவர்
586. சௌஜாபிதிகபஸ்தூக: — ஜபங்கள் நன்கு நடக்கின்றனவா என்று (விசாரிப்பதுபோல் இடையூறு செய்யாமல்) கரடிகள் அப்பால் செல்லப்பெற்றவர்
587. சௌவஸ்திதிககாதக: — சாதக (பறவைகள் குரல் கொடுப்பதால்) பாராட்டப்பட்ட (உபநிஷத் முதலிய) உயர்ந்த பாராயணம் செய்தவர்
588. சௌஸவ்ஸிஸ்திககோபூஷ: — நன்கு உறங்கினீர்களா என்று குரங்குகளால் (வந்து விசாரிக்கப்பட்டவர்)
589. சௌவூதகீதிககோகில: — அழகிய பாட்டுகளால் குயில்களால் போற்றப்பட்டவர்
590. சௌஸபஸ்திககாஸ்தி: — (காலையில் இங்குமங்கும் ஸஞ்சரிக்கையில்) முள்ளம்பன்றிகளால் (எங்கள் மேல் மோதிக்கொள்ளாமல் இருக்க) நன்கு விழித்துக்கொண்டீர்களா என்று விசாரிக்கப்பட்டவர்
591. சௌவாஸ்திகதிவாகர: — பகல் காரியங்களுக்கு சூரியனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
592. சௌராதிகதூஸாராஸ்த: — இரவு காரியங்களுக்கு சந்திரனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்



593. सौयामिकदिवानिशः — பகல் இரவும் சேர்ந்து அனுகூல பொழுதுகள் அளிக்கப்பட்டவர்
594. अबक् — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) வாக்கு அற்றவர்
595. अकायः — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) உடலற்றவர்
596. अचितः — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) மனம் அற்றவர்
597. दक्षी — தண்டம் ஏந்தியவர்
598. द्वैततमोरविः — த்வைதம் எனும் இருளுக்கு சூரியன் போன்றவர்
599. षड्गुणः — (ஆளுகை, தர்மம், புகழ், செல்வம், ஞானம், வைராக்யம் ஆகிய) ஆறு குணமுடைய (பகவத்ஸ்வரூபமானவர்)
600. सप्तभङ्गीसद्वादभेदी — (இருக்கலாம், இல்லாமல் போகலாம் முதலிய) ஏழு விதமாக “இருக்கலாம்” என்று சொல்லும் (ஜைன மதத்தை) உடைத்தவர்
601. अष्टसिद्धिमान् — எட்டு (பெரிய) சித்திகள் உடையவர்
602. त्र्यम्बमूर्तिः — முக்கண் உடைய (அம்பாள்/சிவன்) வடிவினர்
603. चतुर्वर्गसुरभिः — நான்கு புருஷார்த்தங்களை (பொழியக்கூடிய) காமதேனுவானவர்
604. ऋद्धिबेधिता — ஞானத்தை (உணவுபோல்) பரிமாறக்கூடியவர்
605. श्रीनवावरणार्चादिविद्याचार्यः — ஸ்ரீ நவாவரண அர்ச்சனை முதலான வித்யைகளுக்கு ஆசிரியர்
606. अदशः — (கர்ப்பவாஸம், பாலியம் முதலிய ஸரீர்) நிலைகள் அற்றவர்
607. अजरः — வடிவமுகு குன்றாதவர்
608. रुद्रैकादशिनीजापन्नपितार्धेन्दुशेखरः — பதினோரு முறை ருத்ரம் ஜபம் செய்வித்து பிறைகுடிக்கு அபிஷேகம் செய்வித்தவர்
609. निर्गन्धः — (தற்) பெருமையற்றவர்
610. न्यस्तकर्मोषः — (உலகச்) செயல்களாகிய ப்ரவாஹத்தை விடுத்தவர்
611. निःश्रेयसरतः — ஒப்பில்லா ஆனந்தத்தில் எப்போதும் திளைத்திருப்பவர்
612. अरतिः — (லௌகிக) ஸுகத்தை நிராகரித்தவர்

613. निरञ्जः — முடிவில்லாதவர்
614. नीरञ्जः — வலியற்றவர்
615. अनीडः — (தனக்கென தனி) இடம் வைத்துக்கொள்ளாதவர்
616. नियमब्रजधूर्वहः — பலவித கட்டுப்பாடுகளை திறம்பட நிர்வகிப்பவர்
617. निगुञ्जशतनिर्दिष्टनिदूष्टाद्वैतपद्धतिः — நூற்றுக்கணக்கான குழாம்களுக்கு குற்றமற்ற அத்வைத பாதையைக் காட்டியவர்
618. सङ्केषपशारीरककृतसर्वज्ञाआर्पितासनः — ஸங்க்ஷேப ஸாரீரகம் செய்த ஸர்வஜ்ஞாத்மாவுக்கு (தமக்கு பிறகு காஞ்சீ காமகோடி பீட) ஆஸனத்தை அளித்தவர்
619. नैष्कर्म्यसिद्धिकृद्वातिकृद्देवेश्वरान्तरः — நைஷ்கர்ம ஸித்தியை செய்தவரும் வார்த்திகத்தை செய்தவருமான ஸுரேஸ்வரரை (ஸர்வஜ்ஞாத்மாவுக்கு முன்) அடுத்தவராக்கியவர்
620. प्लुष्टीकापञ्चपादीपाठतोषितपद्मपत्र — எரிந்துபோன உரையின் ஐந்து பாதங்களை ஒப்பித்து பத்மபாதரை சந்தோஷப்படுத்தியவர்
621. हस्तमलकिताध्याअहस्तमलकहंसकः — ஆத்ம தத்துவத்தை உள்ளங்கை நெல்லிக்கனி போல் கொண்ட ஹஸ்தாமலகருக்கு துறவறமளித்தவர்
622. बह्मन्दानन्दगिरितोटकप्रकटाग्रथीः — மிகவும் சுமாரான (திறம்கொண்டிருந்த) ஆநந்தகிரி (என்ற சீடர்) தோடகம் (எனும் யாப்பில் குருவைத் துதித்து
623. चित्सूखाचार्यकृष्णाअर्च्याविख्यापिताश्रमः — சித்ஸுகாசார்யரால் இயற்றப்பட்ட தன் சரிதையால் விளக்கப்பட்ட ஆஸ்ரம (நிஷ்டையை) உடையவர்
624. उपदेशसहस्रादिप्रथितप्रकटाक्षयः — உபதேஸ ஸாஹஸ்ரீ முதலிய (நூல்களால்) பரவலாக (பலரும் பயன்பெற) அத்வைதத்தை விளக்கியவர்
625. आम्नायाष्टकनिर्देष्टा — (ஞான மார்க்கத்திற்கு ஸாதனமான) எட்டு ஆம்னாயங்களுக்கு வழிகாட்டி
626. मध्यमाग्नायनिश्चितः — மத்யம (நடு) ஆம்னாயத்தில் (தானே முதல் பீடாதிபதியாக) நிலைத்தவர்



627. विजृम्भनदशाध्वस्तथागतपथागतः — (இந்த ஆம்னாயங்கள்) வளருவதால் (நாஸ்திகராகிய) புத்த மதத்தினவரை த்வம்ஸம் செய்தவர்
628. द्वारकामठनिर्माता — (முதல் ஆம்னாயத்திற்கு) துவாரகா மடத்தை நிர்மாணித்தவர்
629. कालिकापीठकल्लकः — காளிகா(வை ஆம்னாய ஸக்தியாகக் கொண்ட) பீடத்தை உருவாக்கியவர்
630. सिद्धेश्वरसपर्याकृत् — (ஆம்னாய ஈஸ்வரராக) ஸித்தேஸ்வரரை வழிபட்டவர்
631. भद्रकालीप्रसादनः — (ஆம்னாய ஸக்தியான) பத்ரகாளியை சந்தோஷப்படுத்தியவர்
632. ह्यन्दोगः — (ஆம்னாய வேதமான) ஸாமவேதத்தை ஓதியவர்
633. कीटवारहः — பூச்சிகளை இம்சிக்காமல் இருக்கும் (ஆம்னாய) விரதம் கொண்டவர்
634. गोमतीतीर्थसेवनः — கோமதீ (என்னும் நதியை ஆம்னாய) தீர்த்தமாக சேவித்தவர்
635. स्वरूपरक्षार्थायपद्मपादनिदेशकृत् — (ப்ரஹ்ம) ஸ்வரூபர் என்ற ப்ரஹ்மசாரிக்கு ஆசானான பத்மபாதருக்கு வழிகாட்டியவர்
636. आश्रमी — (இந்த ஆம்னாயத்திற்கு தஸநாமிகளில்) ஆஸ்ரம எனும் பட்டம் அளித்தவர்
637. तद्धमस्यादिमहावाक्यार्थरूपवान् — (ஸாமவேதத்தின்) தத்த்வமஸி (என்பதை) முதலாகக் கொண்டு (உபதேசித்த) மஹா வாக்கிய வடிவானவர்
638. ज्योतिर्मठकरः — (இரண்டாம் ஆம்னாயத்திற்கு) ஜ்யோதிர் மடத்தை நிறுவியவர்
639. ज्योतिष्मतीपीठनिदेशकृत् — ஜ்யோதிஷ்மதீ பீடத்துக்கு வழிகாட்டியவர்
640. बदर्याश्रमसंस्थानः — பதரிகாஸ்ரமத்தை இருப்பிடமாகக் கொண்டவர்
641. अलकनन्दावगाहनः — அலகாநந்தாவில் நீராடியவர்
642. आथर्वणाङ्गिरोवेदी — அதர்வாங்கிரஸ வேதத்தை அறிந்தவர்
643. श्रीपूर्णागिरिसेवकः — ஸ்ரீ பூர்ணாகிரி (எனும் தேவியை) சேவித்தவர்

644. गोवर्धनमथीनाथः — (மூன்றாவது ஆம்னாயத்திற்கான) கோவர்த்தன மடத்தின் தலைவர்
645. गिरियोगपटाश्रयः — (தசநாமிகளுள்) கிரி என்ற யோகபட்டத்தை (சில ஸிஷ்யர்களுக்கு) ஆஸ்ரயித்தவர்
646. पूरुषोत्तमसत्केत्री — புருஷோத்தமரின் நல்ல க்ஷேத்ரத்தில் இருந்தவர்
647. विमलापीठकल्लकः — விமலா பீடத்தை முறைப்படுத்தியவர்
648. शतानन्दः — (உலகாயத ஆனந்தத்தை விட) நூறு நூறு மடங்கு ஆனந்தம் கொண்டதாக (உபநிஷத்தில் வர்ணிக்கப்பட்டவர்)
649. शतौजाः — (அவ்வாறே) நூறு நூறு மடங்கு ஸக்திகளையும் கொண்டவர்
650. दशेन्द्रियविनिग्रहः — பத்து இந்திரியங்களையும் அடக்கியவர்
651. श्रीतुन्दिलितदेशश्रीश्वश्याशुगिरिश्रयी — (நான்காவது ஆம்னாயத்திற்கு) அழகு கொழிக்கும் தேசமாகிய ரும்யஸ்ருங்க கிரியில் தங்கியவர்
652. शारदाबचनख्यातव्याख्यापीठाधिरोहणः — வ்யாக்யான பீடத்தில் அமரும்படி ஸாரதையின் வாக்கினால் அருளப்பட்டவர்
653. रामचन्द्रपुरकेत्री — ராமசந்த்ரபுரம் என்ற க்ஷேத்ரத்தில் வசித்தவர்
654. तूष्णभद्रातटाश्रमी — துங்கையும் பத்ரையும் (கூடுமிடத்தின்) தடத்தில் ஆஸ்ரமம் அமைத்தவர்
655. बराहदेवतासारशारदाह्वयशक्तिभूत् — வராஹரை தேவனாகவும் ஸாரதையை ஸக்தியாகவும் கொண்டவர்
656. भूरिवारी — மிகுதியான (செல்வச்செழிப்பைத்) தவிர்ப்பதை (வ்ரதமாகக் கொண்டவர்)
657. कृष्णयजुर्वेदी — க்ருஷ்ண யஜுர் வேதத்தை பயின்றவர்
658. श्रीभारतीपदः — பெருமைக்குரிய பாரதி எனும் பட்டத்தை (ஸிஷ்யர்களுக்கு) அளித்தவர்
659. विभक्त्याधिष्ठानसुमलहानिकरेशदृक् — விபண்டக முனிவரின் இருப்பிடத்தில் உள்ள மலஹானிகரேஸரை தரிசித்தவர்

660. विरूपाक्षमहादेवमहनीयपदाश्रयः — (அதே கர்ணாடகத்தில் ஹம்பியில்) விருபாக்ஷ (க்ஷேத்ரத்தில் உள்ள) மஹாதேவரின் உயர்ந்த கோவிலை ஆம்ரயித்தவர்
661. मनीषिमञ्जरीमान्यमौलान्नायमहागुरुः — பண்டிதருலகு மதிக்கத்தக்க (ஐந்தாவது) மூல ஆம்னாயத்தின் (ஸ்தாபகரான) மஹாகுருவானவர்
662. प्राच्यप्रतीच्यावाच्योदीच्यान्नायादिमदेशिकः — கிழக்கு, மேற்கு, தெற்கு, வடக்கு (ஆகிய மற்ற) ஆம்னாயங்களுக்கு முதல் ஆசானாகக் கருதப்படுபவர்
663. प्राच्यान्नायसुविन्यस्तुहस्तामलकसंस्तुतः — கிழக்கு ஆம்னாயத்தில் வைக்கப்பட்ட ஹஸ்தாமலகரால் நன்கு வணங்கப்பட்டவர்
664. प्रतीच्यान्नायसन्देशनानन्दितसनन्दनः — மேற்கு ஆம்னாயத்திற்கு உத்தரவிடப்பட்டதால் (பத்மபாதர் எனும்) சனந்தனரை சந்தோஷித்தவர்
665. अवाच्यान्नायनिष्पुपृश्नीधरनताञ्जिकः — தெற்கு ஆம்னாயத்தில் வைக்கப்பட்ட ப்ருத்வீதவரால் வணங்கப்பட்ட திருவடியினர்
666. उदीच्यान्नायजानन्दानन्दगिषिबिन्दितः — வடக்கு ஆம்னாயத்தில் ஏற்படும் ஆனந்தத்துடன் ஆனந்தகிரியால் வணங்கப்பட்டவர்
667. कामकोटीपीठपतिः — காமகோடி பீடத்தின் அதிபதி
668. कम्पावेगवतीचरः — கம்பா வேகவதீ நதிகளுக்கு இடையில் சஞ்சரித்தவர்
669. एकाक्षनाथचरणसरोजातमधुब्रतः — ஏகாம்ரநாதரின் திருவடித்தாமரைகளை (மொய்க்கும்) தேனீ போன்றவர்
670. कामाक्षीचरणद्वन्द्वपादुकार्चनतत्परः — காமாக்ஷியின் இரு திருவடி பாதுகைகளையும் அர்ச்சிப்பதில் ஈடுபாடுடையவர்
671. श्वेदाश्रया — ருக் வேத சொருபமானவர்
672. पररम्भव्यवस्थापनधीरधीः — பர ப்ரம்ஹத்தை (ஸாஸ்த்ரப்படி) நிறுவுவதில் பராக்ரமம் காட்டிய புத்தியுடையவர்
673. सत्यव्रतसमाख्यातकाव्यसुरितविग्रहः — ஸத்யவ்ரதம் எனப்படும் காஞ்சியில் (இறுதியில்) தன் உடலை மறைத்தவர்

674. सर्वज्ञपीठाध्यारोहनुषुसर्वज्ञ्यसंशयः — ஸர்வஜ்ஞ பீடம் ஏறியதால் “இவர் அனைத்தையும் அறிந்தவரா?” என்ற ஐயத்தைத் தொலைத்தவர்
675. சூரேஸ்வராதிசஜ்ஜாதசமாராதிதபாதுகஃ — ஸுரேஸ்வரர் முதலிய நல்மாணாக்கர்கள் வணங்கிய பாதுகையை உடையவர்
676. மீமாஸாஹயபாரிணஃ — (பூர்வம் உத்தரம் ஆகிய) இரு மீமாம்ஸைகளில் கரைகண்டவர்
677. காநாடாஹபதாஹவதித் — வைஸேஷிகம் ந்யாயம் இரண்டின் பாதையையும் அறிந்தவர்
678. ட்வாதிஸாடாயுஃகலிதத்ரிஃததஹிஸ்தூதலஃ — முப்பத்திரண்டு வயதிற்குள் மும்முறை பூமியை (பாரதத்தை) ப்ரதக்ஷிணம் செய்தவர்
679. அஸேதுஹிமஸைலாஸ்துஹ்ஸாபநதேஸிகஃ — சேது முதல் இமாலயம் வரை தர்மத்தை நிலைநிறுத்திய ஆசிரியர்
680. வித்யாவஸிஹதாஸேஸதேஸவிஹஜ்ஜநாதிதஃ — தம் வித்யையால் பரவசமான அனைத்து தேசத்து அறிஞர்களாலும் பூஜிக்கப்பட்டவர்
681. ஜகத்ஹூரஃ — உலகிற்கே குரு
682. ஜகத்யோனிஃ — (ஈசனார் வடிவில்) உலகின் பிறப்பு (இருப்பு மறைவுகளுக்கு) இடமானவர்
683. ஷாஸ்த்ரயோனிஃ — (ஈசனார் வடிவில்) ஸாஸ்த்ரங்களின் பிறப்பிடம்
684. சமஹயீ — (முரணாகத் தோன்றும் வேதாந்த வாக்யங்களை) ஒருங்கிணைத்தவர்
685. ஸ்பஸ்டாஸ்பஸ்டேர்ஹ்ஹிஸ்தீ — தெளிவாகவும் தெளிவின்றியும் பரம்பொருளைக் குறிப்பவற்றை (அறிந்தவர்)
686. சாஸ்த்ரயோஹவிமர்ஸஹ் — ஸாங்க்ய யோக (ஸாஸ்த்ரங்களை) பரிசீலித்தவர்
687. வையாகரணதீஸோதீ — இலக்கணம் கூறுபவர்களின் கருத்தை பரிசோதித்தவர்
688. வஸிஸ்தஃ — வசிஷ்டர் (போல் பிறரின் தாக்குதலை எளிதில் சமாளித்தவர்)
689. ககூஸஸரஃ — (பரம்பொருள் வடிவில்) விண்ணை ஆடையாக கொண்டவர்
690. ஸைதமீயவதோமூதீ — ந்யாய ஸாஸ்த்ரத்தின் (குறைகொண்ட) வாதங்களை முடக்கியவர்

691. वैशेषिकमदापहः — வைசேஷிகர்களின் கருவத்தை அடக்கியவர்
692. शौद्धोदनिमदोत्सादी — புத்த மதத்தினரின் செருக்கை சீர்குலைத்தவர்
693. जैमिनीयबुद्धिहत् — ஜைமினீயத்தின் குறுகிய பார்வையை முறியடித்தவர்
694. दिग्वरनयास्तुः — திகம்பரர்கள் கொண்டு வந்த கடைசி வாதங்களையும் அழித்தவர்
695. ध्वस्तपाशुपतक्रियः — பாசுபதர்களின் செயல்பாடுகளை சிதறடித்தவர்
696. शून्याश्वबादनिर्हता — ஆத்மா (இல்லை, அனைத்தும்) சூன்யமே என்னும் வாதத்தை வீழ்த்தியவர்
697. भिन्नभागवतागमः — (ஸங்கர்ஷணன் முதலிய நான்கு வடிவங்களே இறைவனின் உண்மை வடிவம் என்ற) பாகவத மதத்தை வென்றவர்
698. विनोदनिर्मितप्रौढन्यायगञ्जीरभाष्यकृत् — வலுத்த ந்யாயங்களால் கம்பீரமாகவுள்ள பாஷ்யத்தை விளையாட்டாக இயற்றியவர்
699. व्याख्यातजीवचरितः — ஜீவனின் சரிதத்தை விளக்கியவர்
700. विश्वसृष्टिविशारदः — பிரபஞ்சத்தின் தோற்றத்தை கற்றுணர்ந்தவர்
701. स्थितिसीमाविभागज्ञः — இருப்பின் எல்லைகளை பாகுபடுத்த தெரிந்தவர்
702. प्रलयार्थप्रकाशकः — பிரளயத்தின் பொருளை தெளிவாக்கியவர்
703. संसारतत्त्वसञ्चयान् — சம்சாரத்தின் தத்துவத்தை அலசியவர்
704. मायातत्त्वनिरूपणः — மாயா தத்துவத்தை நிரூபணம் செய்தவர்
705. समूलाविद्याकाधारोपानूलनविचक्षणः — அவித்யையால் ஏற்பட்ட பிரமையை அதன் காரணத்துடன் வேரறுப்பதில் வல்லுநர்
706. संसारतारणोपायसन्दर्शनपटिष्ठवाक् — ஸம்ஸாரத்தைத் தாண்டும் வழியைக் காட்டுவதில் மிகவும் திறமுள்ள வாக்கினர்
707. रसिकाल्लादजनकमहावाक्यचमत्कृतिः — (அத்தை) ரஸிகர்களுக்கு உவகையளிக்கும்படி மஹாவாக்யங்களை செம்மையுற விளக்கியவர்
708. ध्वनिप्रधानामरकशतश्लोक्रीमहाकविः — உள்ளர்த்தத்தை முக்கியமாகக் கொண்ட அமருக ஸத ஸ்லோகி என்ற நூலை இயற்றியவர்

709. रक्षसूत्ररक्षशिखीताप्रस्थानभाष्यकृत् — ப்ரஹ்ம ஸூத்ரம், உபநிஷதம், கீதை ஆகிய ப்ரஸ்தானங்களுக்கு விரிவுரை எழுதியவர்
710. प्रत्यक्षमैक्यबोधाध्वदशी — உள்ளிருக்கும் பிரமத்துடன் ஐக்கியம் பெறும் வழியைக் காட்டியவர்
711. मोक्षाध्वदर्शकः — மோக்ஷத்தின் பாதையைக் காட்டியவர்
712. निरन्तरकृतान्नायशिरोनिगदशीलनः — எப்போதும் உபநிஷதங்களின் சொற்றொடர்களையே சிந்தித்து வந்தவர்
713. वेदान्तबनहर्षकः — வேதாந்தமெனும் அரண்யத்தில் ஸிம்ஹம் போன்றவர்
714. तद्ब्रह्मानमहोदधिः — தத்துவ ஞானத்தில் பரந்த சமுத்திரமனையவர்
715. तर्कणः — இளைஞர்
716. तर्कणीदूरः — (ஆனால்) இளம் பெண்களிடம் ஈடுபாடில்லாதவர்
717. तारापतिसमच्छविः — சந்த்ரனைப் போன்ற பொலிவுடையவர்
718. तारकरक्ष्मातद्ब्रह्मः — கடை தேற்றும் பிரம்ம தத்துவத்தை அறிந்தவர்
719. तपस्वी — தவமியற்றியவர்
720. तापसानुगः — தவசிகளைப் பின்பற்றுபவர் (அல்லது) தவசிகளான சீடர்களை உடையவர்
721. तापत्रयविनिर्मुक्तः — (உடல், இயற்கை, பிராணிகள் ஆகிய) மூன்றாலும் ஏற்படும் இன்னல்கள் அற்றவர்
722. नलिनोक्तिनिरासकृत् — மிருதுவான சொற்களால் (மாற்றுக்கருத்துகளை) நிராகரித்தவர்
723. अलङ्कृती — (மனவடக்கம் மற்றும் புலனடக்கம் ஆகிய) அலங்காரங்களைக் கொண்டவர்
724. अतिमान्यश्रीः — (உலக ரீதியில்) மிகவும் மதிக்கத்தக்கவர்களால் நாடப்பட்டவர்
725. आश्रयित् — (தன் சொருபமாகிய) ஆத்மாவை (உலகின் காரணமான ப்ரஹ்மமாக) அறிந்தவர்



726. रक्षविभ्रमः — ப்ரஹ்மமாகிய (உலகின் காரணத்தை தன் சொருபமான ஆத்மாவாக) உணர்ந்தவர்களுள் சிறந்தவர்
727. रक्षगः — வேதத்திற்கு ஹிதமானவர்
728. रक्षभूतः — தாமே ப்ரஹ்மமாக ஆனவர்
729. साधिष्ठानाशितकाशिंगः — தனது இருப்பிடமாக விரும்பிய (மதிக்கத்தக்க) காஞ்சியிலேயே நிலைத்தவர்
730. कृतपुण्यसुलीयात्रः — புண்ணிய தலங்களுக்கு யாத்திரை செய்தவர்
731. उर्ध्वान्नायार्थतद्भवित् — (ஆறாவது) ஊர்தவ (மேலான) ஆம்னாயத்தின் தத்துவப் பொருளை உணர்ந்தவர்
732. कैवल्यक्षेत्रविजयी — (தானொன்றே இருப்பதாகிய) கைவல்யமெனும் க்ஷேத்ரத்திற்கு விஜயம் செய்தவர்
733. शुद्धमानसतीर्थकः — சுத்தமான மனதையே தீர்த்தமாகக் கொண்டவர்
734. सुमेरुमूलसंघारी — (உலகிற்கு உச்சியான) மேருவின் அடியை (மடமாகக் கொண்டு) ஸஞ்சரித்தவர்
735. मायाशक्तिविभावनः — மாயையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாக பூஜித்தவர்
736. सत्यज्ञानाभिधाह्वानी — (இந்த்ர ஸரஸ்வதி முதலிய பட்டங்களுக்கு பதில்) ஸத்யம் ஞானம் என்ற பெயர்களாலேயே அழைக்கத்தக்கவர்
737. अखण्डानन्दमूर्तिमान् — இடையறாத ஆனந்த மூர்த்தியானவர்
738. सोहंशिवोहंबाक्यश्रीः — ஸோஹம் (அதாவது) சிவனே நான் என்பதை (மஹா)வாக்யமான செல்வமாகக் கொண்டவர்
739. प्रत्यागन्नायवेदनः — (ஏழாவது) உள்ளிருக்கும் ஆம்னாயத்தை அறிந்தவர்
740. निरङ्गनेश्वरासेवी — (ஸம்ஸார) தோஷங்களற்ற ஈஸ்வரனை வழிபடுபவர்
741. श्रीकरः — செல்வத்தை உண்டு செய்பவர்
742. सम्प्रदायभूत् — சம்பிரதாயங்களை (வகுத்தளித்தமையால்) தாங்கியவர்
743. विद्यापीठमहायोगी — வித்யையை (ஸக்தியாகக் கொண்ட) பீடத்தின் மஹா யோகி

744. परमात्मठाश्रयः — பரமாத்மாவையே (பீடத்தின்) மடமாக ஆஸ்ரயித்தவர்
745. त्रिपुटीतीर्थविहृतिः — (அறிவு அறிபவன் அறியப்படுவது என்னும்) த்ரிபுடியே (பீடத்தின்) தீர்த்தமாகக் கொண்டு அதில் நீராடியவர்
746. योगक्षेत्रादिवாகरः — யோகத்தையே (பீடத்தின்) க்ஷேத்ரமாகக் (கொண்டு) அதனை ப்ரகாஸிக்க வைக்கும்) ஸூர்யனானவர்
747. श्रीविद्याशक्तिजपनः — ஸ்ரீவித்யையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாகக் (கொண்டு) ஜபத்தினால் (உபாஸித்தவர்)
748. मन्त्री — மந்த்ரங்களின் (இருப்பிடமானவர்)
749. सन्तोषनैगमी — (தன்னில்) சந்தோஷித்து இருப்பதையே ஸம்ப்ரதாயமாகக் கொண்டவர்
750. परहंसपरिव्राट् — பரமஹம்ஸ (நிலையை யே ஈஸ்வர ஸ்வரூபமாகக் கொண்ட அத்தகைய நான்காம் நிலையிலுள்ள) ஸந்ந்யாஸி
751. श्रीसिद्धाख्यैर्ऋचर्यभूत् — பொலிவுடன் தன்னில் நிலைபெற்ற ப்ரஹ்மசர்யத்தைக் கொண்டவர்
752. मातृकैकमहावाक्यः — (ஐம்பது) மாத்ருகா வர்ணங்களையும் ஒரே மஹாவாக்ய வடிவில் (பார்ப்பவர்)
753. क्षेत्रज्ञः — உடலைப் பார்க்கும் ஸாக்ஷி சைதன்ய வடிவமான (ஆம்னாய பீடாதிபதியானவர்)
754. अक्षरतः परः — (உலகில்) அழியாதவை (என்று ப்ரஸித்தமானவற்றைக்) காட்டிலும் பெரியவர்
755. निष्कलान्नायनिरतः — (எட்டாவது) நிஷ்கல ஆம்னாயத்தில் நிலைபெற்றவர்
756. शान्तिदातृयुतः — சாந்தமும் பொறுமையும் உடையவர்
757. चितिः — சைதன்யத்தையே (சக்தியாகக் கொண்டவர்)
758. आनन्दपीठसंविष्टः — ஆனந்த பீடத்தில் உறைந்தவர்
759. स्वानुभूतिपदाश्रयः — சுய அனுபவமே க்ஷேத்ரமாகக் கொண்டவர்
760. श्रद्धामैत्र्यादिनिर्ऋष्यः — (ஸாஸ்த்ரத்தில்) நம்பிக்கையாலும் (மற்றவர்களிடத்தில்) நட்பாலும் அறியத்தக்க (சொருபத்தினர்)



761. सच्चिन्मःसमाश्रयः — ஸச்சித் (ஸ்வரூபமே) மடமாகக் கொண்டவர்
762. नभस्तीर्थः — ஆகாயமே தீர்த்தமாகக் கொண்டவர்
763. नभोदनी — ஆகாயம் (போன்று ஸுக்ஷ்மமாக உள்ள பரம்பொருளைப்) பார்த்தவர்
764. नभः — ஆகாயம் (முதலிய சொற்களால் உபநிஷத்துகளில் சொல்லப்பட்ட பரம்பொருளானவர்)
765. छिन्त्रिचिन्त्रः — சைதன்யம் மற்றும் அதன் ஸக்தி இவற்றை சிந்திப்பவர்
766. प्रणवप्रणयी — ப்ரணவத்தில் அமிழ்ந்தவர்
767. नक्षी — (தமது குருமார்கள் விஷயத்தில்) வணங்கிய (உடலுறுப்பகளைக்) கொண்டவர்
768. नन्दगोपजपूजकः — நந்த கோப குமாரனை பூஜித்தவர்
769. भूमा — (தன்னைக் காட்டிலும் பெரியது இல்லாத) பெரும்பொருளானவர்
770. रत्नानन्दनामा — பிரமானந்தம் என்ற பெயர் கொண்ட (ஸ்வரூபத்தினர்)
771. कूटस्थः — (ஸாக்ஷி ஸ்வரூபமாக) மாறாமல் உள்ளுறைபவர்
772. अक्षरः — அழிவில்லாதவர்
773. ईष्टदः — (பக்தர்களின்) விருப்பத்தை நிறைவேற்றுபவர்
774. पराकप्रत्यगभिन्ः — உள்ளும் வெளியும் தனித்தனியாக இல்லாதவர்
775. सकलात्मा — அனைத்திலும் உயிராக உறைபவர்
776. अकलः — பகுதிகளற்றவர்
777. पूरुः — (மாயையால்) பல (வடிவமாகத் தோன்றுபவர்)
778. पूरुषः — ஸரீரத்தில் வீற்றிருக்கும் (ஆத்ம ஸ்வரூபமானவர்)
779. पूरुलः — ஸம்ருத்தியுடையவர்
780. पूर्णः — நிறைவானவர்
781. सत्तामात्रः — இருப்பாக இருப்பவர்
782. पूरातनः — பழமை காலமுதலே இருப்பவர்

783. **भोगयोगी** — நுகர்வை (ஸத்விஷயத்தில் கட்டுப்படுத்தும்) யோகத்தை அளிப்பவர்
784. **योगभोगी** — யோகத்தையே தன் நுகரும் பொருளாக ஆக்கியவர்
785. **भुवनाम्ना** — உலகங்களில் உள்ளுறைபவர்
786. **बनेचरः** — (விரும்பத்தக்க ஒரே பொருளாகையால்) வனம் (எனப்படும் ப்ரஹ்மத்தில் ஸஞ்சரிப்பவர்)
787. **भूतिकृत्** — (ஸத்கார்யங்களை செய்வதற்கு வேண்டிய) செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
788. **भूतिदः** — (அத்தகைய) செல்வத்தை (அத்தகைய காரியங்களுக்காக நமக்கு) தருபவர்
789. **भूतः** — எங்கும் வ்யாபித்திருப்பவர்
790. **भूरिशः** — (பக்தர்களுக்கு அருள) பலவிடங்களில் உறைபவர்
791. **भूतभावुकः** — இறைவனின் ஸ்ருஷ்டியை ரசிப்பவர்
792. **चक्रभृत्** — (உலகத்திற்கு க்ஷேமம் ஏற்படும் வகையில் காஞ்சீபுரத்தில்) ஸ்ரீசக்ரத்தை ஸ்தாபித்தவர்
793. **चक्रराजार्चासम्प्रदायप्रवर्तकः** — (அங்கு) ஸ்ரீசக்ர பூஜை அர்ச்சனை சம்பிரதாயத்தை செயல்படுத்தியவர்
794. **चक्रिभूषणभूताम्ना** — பாம்புகளை அணிகலன்களாக்கிக் கொண்ட (சிவனார்) வடிவினர்
795. **चक्रपाणिनिषेवितः** — (சிவனார் வடிவில்) விஷ்ணுவினால் ஸேவிக்கப்பட்டவர்
796. **चक्रवर्तिशिरोभूषाशेषाघितनखच्छविः** — சக்ரவர்த்திகளின் தலையணிகளில் அங்கமான நககாந்தியைக் கொண்டவர்
797. **चामीकरीकृतामदरिद्रराम्नीगृहः** — ஏழை அந்தண பெண்மணியின் வீட்டில் உள்ள (மண்) கலயங்கள் அனைத்தும் தங்கமாக்கியவர்
798. **चतुरोदारगञ्गीरवाक्यनिर्भरवादकृत्** — (யுக்தியால்) சாதூர்யமிக்கதும் (கருணையால்) பெருந்தன்மை மிக்கதும் (பொருளினால்) கம்பீரம் மிக்கதுமான வாக்யங்களால் வாதம் செய்பவர்

799. चण्डलः — பயணித்துக்கொண்டே இருப்பவர்
800. चन्द्रचूडा — பிறைகுடி வடிவினர்
801. जितचम्पकनासिकः — சம்பங்கி (மொட்டை) விட (அழகிய) மூக்கை உடையவர்
802. चर्चिताशेषभूचक्रसंसारिमत्सङ्घः — பூமியெங்கும் ஸஞ்சரிக்கும் பலவித மதங்களை மிச்சமின்றி விசாரித்து (பதிலளித்தவர்)
803. चालिताद्वैतविज्ञानः — அத்வைத ஞானத்தை (எங்கும்) ப்ரச்சாரம் செய்தவர்
804. चरः — (பக்தர்களுக்கு அருள ஆங்காங்கு) ஸஞ்சரித்துக்கொண்டே இருப்பவர்
805. चित्री — பலவித (திறன்கள்) கொண்டவர்
806. चिदम्बरः — சிதாகாஸ வடிவினர்
807. दीर्घसत्यव्रतस्थानचिरन्तनसुखसिकः — ஸத்யவ்ரத ஸ்தானம் (எனும் காஞ்சியில்) சுகமாக வெகுகாலம் தங்கியவர்
808. दूर्णितच्छात्रहृदप्रसिद्धिः — மாணவர்களின் ஹ்ருதயத்தில் இருக்கும் சிக்கல்களை சூர்ணமாக்கியவர்
809. दूर्णपूर्णदूरास्यकृत् — துஷ்டர்களின் வாய்களை மண்ணைக் கவ்வச் செய்பவர்
810. प्रतिष्ठापकधौरेयः — ஸ்தாபனங்கள் ஏற்படுத்தியவர்களில் தலைச்சிறந்தவர்
811. प्रतिष्ठितमहायशः — பெரும் புகழை நிலைநிறுத்தியவர்
812. प्रौढविज्ञानवादिस्वर्गसर्वस्वोदितः — பெரிய (பௌத்தர்களான) விஞ்ஞானவாதிகளின் கர்வத்தை முழுவதும் தேய்ப்பதற்காக வந்தவர்
813. नन्दिताशेषभूचारी — பூமியில் இருப்போர்கள் அனைவருக்கும் (நித்ய) மகிழ்ச்சியை (அளிக்கவல்ல நன்மையை உபதேசித்தவர்)
814. यतिधर्मविमर्शकृत् — துறவிகளுக்கான தர்மத்தை ஆராய்ந்தவர்/நேராக காட்டியவர்
815. दर्शिताध्यात्मायाः — ஆன்மிகத்தின் உண்மையைக் காட்டியவர்

816. सूक्ष्मसङ्घनिषेवितः — அறிஞர் கூட்டத்தால் நாடப்பட்டவர்
817. नदीनदसरस्तीर्थाप्लावपावितविग्रहः — நதி, நதம், ஏரி (முதலான) நீர்நிலைகளில் முங்கி நீராடி தூய்மை பெற்ற உடலினர் (உண்மையில் அவற்றை தூய்மைப்படுத்தியவர்)
818. पण्डितव्रातपाण्डित्यप्रमोक्षणपट्टादितः — (கர்வமுள்ள) பண்டிதர்கள் கூட்டத்தின் பாண்டித்யத்தை கவ்வவல்ல சொற்கள் கொண்டவர்
819. तत्पदार्थप्रकटनः — தத் பதத்தின் பொருளை பிரகடனப்படுத்தியவர்
820. त्वम्पदार्थविवेकवृत् — த்வம் பதத்தின் பொருளை விளங்கச் செய்பவர்
821. नित्यानन्दः — எப்போதும் ஆனந்தமாக இருப்பவர்
822. निरालसः — (சுதந்திரமாய்) எதையும் சாராமல் இருப்பவர்
823. निरम्भः — புலன்களுக்கு அப்பாற்பட்டவர்
824. निखिलेष्कवः — எல்லாவற்றையும் (ஸாக்ஷி பாவத்துடன்) பார்ப்பவர்
825. नित्यधीः — அழிவற்ற ஞானம் உடையவர்
826. नित्यसङ्कल्पः — நித்யத்தையே (அடைய வேண்டும் என்ற) ஸங்கல்பம் கொண்டவர்
827. निधिस्थः — (மோக்ஷம் எனும்) பொக்கிஷத்தில் நின்றவர்
828. निरविद्यकः — அவித்யை அற்றவர்
829. नित्यवासि — நித்யமாகிய (பரம்பொருளில்) வசிப்பவர்
830. नित्यशुचिः — எப்போதும் தூய்மையாக இருப்பவர்
831. निर्लुब्धः — பேராசை இல்லாதவர்
832. निगमरिह — வேத விரோதிகளை ஒழிப்பவர்
833. निरञ्जनः — (ஸம்ஸார) தோஷங்கள் அற்றவர்
834. नित्यपूज्यः — எப்போதும் வணங்கத்தக்கவர்
835. नित्यमुक्तः — எப்போதும் விடுதலையானவர் (ஸம்ஸார பந்தமே இல்லாதவர்)

836. निरीश्वरः — (தனக்கு) தலைவன் இல்லாதவர்
837. निरुक्ता — (தன்னை) உருவாக்கியவன் அற்றவர்
838. निरुक्तिः — எதையும் சேர்த்துக்கொள்ளாதவர்
839. निःस्वः — தனது என்று ஒன்றுமில்லாதவர்
840. निरुः — தங்கக்காசு (போன்றவர்)
841. निखिलवासभूः — அனைத்தும் வசிக்கும் இருப்பிடமானவர்
842. पूरीशः — (தேஹமாகிய) கோட்டையில் உறைபவர்
843. पूर्वगः — (அனைவருக்கும்) முன் செல்பவர்
844. पुण्यः — புண்யமானவர்
845. पूर्वनामी — முன்னோர்களை வணங்குபவர்
846. पूरुप्रियः — பலருக்கும் பிரியமானவர்
847. विख्यातवीर्यः — கொண்டாடப்படும் வீரம் மிக்கவர்
848. विदेशः — வித்யைகளுக்கெல்லாம் அதிபதி
849. श्रीविद्याषोडशीगुरुः — ஸ்ரீவித்யையின் ஷோடஸி மந்த்ரத்துக்கு குரு
850. लक्ष्मीः — (அனைவராலும்) அடையாளம் காணப்பெறுபவர்
851. लक्ष्यः — (வேத வாக்யங்களால் நேரடியாக தெரிவிக்கவியலாமல்) மறைமுகமாக தெரிவிக்கப்படுபவர்
852. लक्षणः — (ஸூபமான) அங்க லக்ஷணங்களை உடையவர்
853. लक्षणञ्जः — லக்ஷணங்களை அறிந்தவர்
854. लसत्पदः — ஒளிரும் ஸ்தானம் கொண்டவர்
855. शीमान् — அடக்கமானவர்
856. हंसगतिः — அன்னம் போன்ற (அழகுற) நகருபவர்
857. हंसः — அன்னம் (போல் நித்யாநித்யங்களை பிரிக்கத்தெரிந்தவர்)
858. हंसश्चेतहृदयुजः — அன்னம் போன்ற வெண்ணிற இதயத்தாமரை கொண்டவர்

859. इंसमन्त्रार्थतद्वत् — ஹம்ஸ என்னும் மந்திரத்தின் தத்துவ பொருளை அறிந்தவர்
860. இஸவர்ட் — ஸூர்யன் போன்ற நிறத்தினர்
861. ஹரிப்ரியஃ — ஹரிக்கு பிரியமானவர்
862. இர்யாமர்ஸஃ — மகிழ்ச்சியும் கோபத்தையும் சகித்துக்கொள்பவர்
863. இஸகூஷலஃ — (உள்ளிருக்கும் ஆனந்தத்தால்) சிரித்துக்கொண்டு சுகமாய் இருப்பவர்
864. இநிவ்ஹினூத் — மிகுவது குறைவது (இரண்டையும்) தள்ளிய (பரம்பொருளானவர்)
865. சப்யஃ — ஸபையில் முன்னிற்பவர்
866. சபாபதிஃ — ஸபைக்கு தலைவர்
867. ச்வாமி — (அனைத்திற்கும்) உரிமையாளர்
868. சமூதிஃ — (சேவை செய்பவர்களுக்கு அனுக்ரஹமாகிய) நல்ல ஊதியம் அளிப்பவர்
869. சமுவாபஃ — (மீண்டும் மீண்டும்) பிறப்பதன் (அவசியத்தை) தவிர்ப்பவர்
870. இவீரேநீதலஸ்வாஸ்தஃ — விளாமிச்சை வேர் போல் குளிர்ச்சியாகவும் (வாசனையாகவும் உள்ள) மனதைக் கொண்டவர்
871. இமதீஹரிதாஸ்வாஃ — லஜ்ஜையுடவளாகிய (அம்பாளால் ஆனால் தைரியமாக) அபஹரிக்கப்பட்ட (பாதி) உடலைக் கொண்டவர்
872. லக்ஷிதாஸேஷமந்நார்யஃ — அனைத்து மந்த்ரங்களின் லக்ஷ்ய அர்த்தங்களையும் (அறிந்தவர்)
873. லக்ஷகோட்யோநாயகஃ — லக்ஷம் கோடி ப்ரம்மாண்டங்களுக்கு நாயகன்
874. லலிதாஸ்தஃ — லளிதமான உடலைக் கொண்டவர்
875. லயஜாதா — (பிரம்மத்துடன்) லயத்தை அறிந்தவர்
876. லர்ஹஸ்யஃ — தன்னை அடைந்தவர்
877. லர்ஹர்ஷஃ — கிடைத்த (தன் சொருபமான ஆனந்தத்தில்) களித்திருப்பவர்
878. கஸ்ரூகர்ட் — சங்கு போன்ற கழுத்துடையவர்



- 87

902. वितताद्वैतश्रुतिन्यायः — अत्வைதத்தைக் (காட்டும்) வேத (வாக்யங்களையும்) ந்யாயங்களையும் விவரித்தவர்
903. कृपानिधिः — கருணைக்களஞ்சியம்
904. यन्त्रा — நிர்வஹிப்பவர்
905. यतमनाः — மனதைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
906. यम्यः — (பக்திக்கு) கட்டுப்படுபவர்
907. यज्ञाङ्गः — யஜ்ஞங்களை உறுப்புகளாகக் கொண்டவர்
908. यज्ञभूषणः — யஜ்ஞத்துக்கு ஆபரணம் போன்றவர்
909. यज्ञः — யஜ்ஞ (ஸ்வரூபி)
910. यज्ञपतिः — யஜ்ஞங்களுக்குத் தலைவர்
911. यज्ञा — யஜமான (ஸ்வரூபியானவர்)
912. यज्ञभूः — யஜ்ஞங்களின் ஆதாரம்
913. यज्ञभावनः — யஜ்ஞங்களை நடத்துவிப்பவர்
914. कृपार्पितकरालशः — கருணை கைகொடுத்து தூக்கிவிடுபவர்
915. विध्वंसविधिः — விதியை மாற்றவல்லவர்
916. अणुसूः — ப்ரஹ்மாண்டத்தை உருவாக்கவல்லவர்
917. निखिलस्त्रातलाचार्यः — பூமி முழுதுக்கும் ஆசார்யனானவர்
918. पाषण्डमतखण्डनः — போலி தத்துவங்களை உடைய மதங்களை கண்டித்தவர்
919. प्रतिष्ठापकमूर्धन्यः — உயர்ந்தவற்றை (தத்துவங்களை) நிலை பெறச்செய்தவர்
920. मताद्वयमहानयः — அத்வைதம் என்ற பெரும்பாதையை (வேதத்தின் கருத்தாக) தீர்மானித்தவர்
921. परिव्राजकधूर्वोत्ता — துறவிகளுள் முன்னிற்பவர்
922. अनसुधूः — அளவற்ற (உலகை) முன்நடத்துபவர்
923. अन्तरान्तरः — உள்ளுக்குள் உள்ளே (இருப்பவர்)
924. मूढः — (ஸம்ஸாரத் தளைகளிலிருந்து) விடுபட்டவர்



925. मूकून्द्ः — கொண்டாடப்படும் புனிதர்
926. मध्यस्थः — சார்பில்லாமல் (தீர்ப்பு அளிப்பவர்)
927. मददूरः — செருக்கிலிருந்து தூர (விலகியவர்)
928. मनोमयः — (பக்தர்கள்) மனத்தில் (உள்ள த்யான) வடிவானவர்
929. शान्तः — (உலகமே) அடங்கிய (நிலையிலுள்ளவர்)
930. शुभकरः — மங்களம் செய்பவர்
931. शुक्रः — தூயவர்
932. शूरः — (தர்மத்தைக் காப்பாற்றுவதில்) சூரர்
933. शोकविवर्जितः — சோகம் சிறிதும் அற்றவர்
934. भिक्षुः — துறவி வடிவினர்
935. तरिक्षुः — (ஞானத்திற்கான) பாதையை செதுக்கியவர்
936. क्षमिता — பொறுமைசாலி
937. अक्षतिः — (வாதங்களில்) காயமடையாதவர்
938. साक्षतार्चनः — அக்ஷதைகளுடன் கூடி அர்ச்சனை செய்பவர்/செய்யப்படுபவர்
939. राजराजार्चितः — அரசர்களுக்கெல்லாம் அரசர்களால் பூஜிக்கப்பட்டவர்
940. रङ्गः — ரஸிக்கவைக்கக்கூடியவர்
941. रङ्गकः — ரஸிக்கவைப்பவர்
942. रश्मिमान् — ஒளி வீசுபவர்
943. रमः — மகிழ்பவர்
944. रमणः — மகிழ்விப்பவர்
945. रसवादी — ரஸவாதம் தெரிந்தவர்
946. रजतदिनिकेतनः — வெள்ளி(ப்பனி) மலையில் வசிப்பவர்
947. असूलः — தூலமாக இல்லாதவர்
948. अनूः — அணுவாக இல்லாதவர்
949. ह्रस्वः — (கட்டைவிரல் அளவு) குட்டையான (ஜீவ சொரூபமானவர்)

950. मनुः — மந்தர் வடிவினர்
951. मेधा — ஞாபக ஸக்தி வடிவினர்
952. महामनाः — விசாலமான மனம் உடையவர்
953. बहूपदः — வெகு தூரம் நடந்து பயணித்தவர் / (விஸ்வரூபத்தில்) பல கால்கள் உடையவர்
954. बह्भुजः — (விஸ்வரூபத்தில்) பல தோள்கள் உள்ளவர்
955. बह्शीर्षः — (விஸ்வரூபத்தில்) பல தலைகள் உள்ளவர்
956. बह्प्रियः — பலர் அன்புக்கும் உரியவர்
957. नाभुःप्रखः — (ஸ்வப்னத்தைப் போல்) உள்பொருளைப் பார்க்காதவர்
958. नप्रखः — (அனைத்துப் பொருள்களையும் ஒருசேர) பார்க்காதவர்
959. नबहिःप्रखः — (விழிப்பைப் போல்) வெளிப்பொருளைப் பார்க்காதவர்
960. नाप्रखः — சைதன்யமற்று இல்லாதவர்
961. प्रखानघनः — திரண்ட அறிவு வடிவினர் (அறிவு தவிர வேறெதுவுமில்லாதவர்)
962. विज्ञानात्मा — ஸரீரத்திற்குள் இருந்து விஷயங்களை அறியும் விஞ்ஞான வடிவினர்
963. विलासकृत् — (அத்தகைய விஞ்ஞானங்களிலேயே) ஒளிர்பவர்
964. प्रियाप्रियम्पशहीनः — பிடித்தது பிடிக்காதது என்னும் உணர்வுகளால் பாதிக்கப்படாதவர்
965. अमृतः — அழிவில்லாதவர்
966. आकाशदेहवान् — ஆகாசத்தையே உடலாகக் (கொண்டு உள்ளுறைபவர்)
967. अभूमिः — நிலம் அல்லாதவர்
968. अजलः — நீர் அல்லாதவர்
969. अनग्निः — நெருப்பு அல்லாதவர்
970. अवायुः — வளி (காற்று) அல்லாதவர்
971. अनस्ररः — வெளி (ஆகாயம்) அல்லாதவர்
972. अग्राह्यः — (கர்ம இந்த்ரியங்களால்) பிடிக்க இயலாதவர்

973. अद्वैतः — (ஞான இந்த்ரியங்களால்) காண முடியாதவர்
974. அசுரோத — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) கேட்காதவர்
975. சூதா — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) கேட்பவர்
976. கர்த்தா — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) செய்பவர்
977. அகர்த்தகः — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) செய்யாதவர்
978. அகங்கா — (உண்மையில்) மணமற்றவர்
979. அரஸகः — சுவையில்லாதவர்
980. அரூபः — உருவில்லாதவர்
981. அஸ்பர்சு — தொட இயலாதவர்
982. அசர்டு — ஒலியற்றவர்
983. शर्दभाक् — (வேத) ஸப்தங்களை (தன்னைத் தெரிவிப்பவையாகக்) கொண்டவர்
984. மந்தா — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) நினைப்பவர்
985. அமந்தா — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) நினைக்காதவர்
986. அநுமந்தா — (மனம் விஷயங்களை நினைக்கையில் அதற்குள் இருப்பதால்) அதனை ஒட்டி பார்ப்பவர்
987. ஷோகா — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) தீர்மானிப்பவர்
988. அஷோகா — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) தீர்மானிக்காதவர்
989. ப்ரபோதகத் — (ஆத்மாவை அறிய வேண்டும் என்ற) விழிப்பூட்டுபவர்
990. ஏகः — (உண்மையில்) ஒன்றாக உள்ளவர்
991. அனேகः — (உலக நடப்பில்) பலதாக உள்ளவர்
992. கௌனா — (வெளி தொடர்பற்ற) தனி ஆத்மாவானவர்
993. சர்வः — எல்லாமும் ஆனவர்
994. சம்ஸாரமோசனः — ஸம்ஸாரத்தில் இருந்து விடுவிப்பவர்
995. நியத்யசுக்ஷு — எப்போதும் சுத்தர்??
996. நியத்யஃ — எப்போதும் நல்லறிவானவர்??

997. नित्यमूढः — எப்போதும் முக்தர் ஆனவர் ?
998. निराश्रयः — (தனக்கு) புகலிடம் (தேவை) இல்லாதவர்
999. हार्दविद्यातमश्चेत्ता — ஹ்ருதயத்தில் உள்ள அவித்யை என்னும் இருளை வெட்டுபவர்
1000. भक्तहृत्पद्मभास्वरः — பக்தர்களின் இதயத் தாமரையில் சூரியனானவர்

